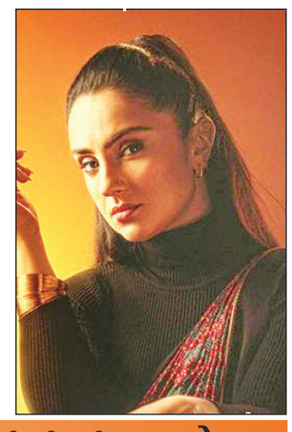


सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



त्रिवेणी समूह की चंदनपुर चीनी मिल के पेराई सत्र 2026-27 का हुआ पेज: 3

बैचलर पार्टी डी यू स मेंपेरिस लक्ष्मी की एंट्री पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 210 | बुधवार 04 नवंबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

टाइगर श्रॉफ गोलीबारी केस : करनाल से महिला गिरफ्तार, कुल 13 आरोपी हिरासत में

मुंबई, एजेंसी। मुंबई अपराध शाखा ने अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुई गोलीबारी के मामले में हरियाणा के करनाल से एक महिला को गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी के साथ, मामले में अब तक कुल 13 लोगों को हिरासत में लिया है। मुंबई पुलिस के अधिकारी ने बताया कि 22 वर्षीय आरोपी महिला को करनाल से पकड़ा गया। हालांकि, अपराध में उसकी विशिष्ट भूमिका का अभी तक खुलासा नहीं किया गया है। और महिला को मुंबई लाने की कानूनी प्रक्रिया जारी है। यह घटना 18 अक्टूबर को मुंबई के जुहू इलाके में हुई थी, जब टाइगर श्रॉफ एक फुटबॉल मैदान से बाहर निकल रहे थे। गोलीबारी में अभिनेता बाल-बाल बच गए थे, लेकिन उनके कार चालक और पास खड़े एक व्लॉगर घायल हो गए थे। गिरफ्तार किए गए कुल आरोपियों में अब तीन महिलाएं शामिल हैं।

चक्रवात मुरासु : ओडिशा में बारिश, 1.60 लाख लोग सुरक्षित

भुवनेश्वर, एजेंसी। आंध्रप्रदेश के तट पर गंभीर चक्रवाती तूफान मुरासु के टकराने के बाद ओडिशा के दक्षिणी जिलों में हल्की बारिश दर्ज हुई है। राज्य सरकार ने किसी भी प्रतिकूल मौसम स्थिति से निपटने के लिए सभी जिलाधिकारियों को तैयार रहने का निर्देश दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा भारी बारिश और तेज हवाओं के पूर्वानुमान को देखकर दक्षिण क्षेत्र के पांच जिलों से 1.60 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और आपदा प्रतिक्रिया टीमों को तैनात किया गया है। ओडिशा के आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने बताया कि कोरापुट, मलकानगिरि, कंधमाल और कालाहांडी सहित कई जिलों से हल्की बारिश की सूचना है। उन्होंने कहा कि राज्य लगातार हाई अलर्ट पर है, क्योंकि पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन ओडिशा के लिए एक बड़ी चुनौती है। मंत्री पुजारी ने लोगों से अपील की है कि वे मौसम सामान्य होने तक आश्रय स्थलों में ही रहें। मुरासु के कारण आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में हजारों पेड़ उखड़ गए हैं, बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हुए हैं और मछुआरों की नौकाओं को भी नुकसान पहुंचा है।

प्रशासनिक और न्यायिक व्यवस्था ने लोगों की स्थिति को कॉकरोच जैसा बना दिया

- हवाई किराए में बेतहाशा वृद्धि और सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर भड़के सौरभ दास

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन में हवाई जहाजों के किराए में हुई बेतहाशा वृद्धि के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार करने के बाद देश में बयानबाजी तेज हो गई है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) नेता सौरभ दास ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकालते हुए कहा कि देश की मौजूदा प्रशासनिक और न्यायिक व्यवस्था ने आम नागरिकों की स्थिति को कॉकरोच जैसा बना दिया है। दरअसल, त्योहारी सीजन में कई प्रमुख हवाई मार्गों पर टिकट की दरों में सात सौ फीसदी तक की भारी बढ़ोतरी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका पर जल्द सुनवाई का अनुरोध किया गया था। इस मामले की सुनवाई में न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति ए सिंह की पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए टिप्पणी की थी कि लोग हवाई यात्रा न करें। सुप्रीम कोर्ट के इस बयान से आहत होकर सौरभ दास ने प्रकाशित खबरों का हवाला देते हुए लिखा कि आम जनता आज चौतरफा समस्याओं से घिरी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर जहरीला वायु प्रदूषण है तो सांस मत लो, सड़कों पर गड्ढे हैं तो चलो मत, पेट्रोल महंगा है तो गाड़ियां मत चलाओ, पेपर लीक हो रहे हैं तो परीक्षाएं मत दो और अगर मीडिया समाज को बांट रहा है तो टीवी देखना बंद कर दो। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी में नौकरी मत खोजो, यह पूरी व्यवस्था ही नागरिकों को विवश कर रही है।

पीएम मोदी ने किया पुणे मेट्रो पिंक लाइन का उद्घाटन, कहा- 12 वर्षों में मेट्रो ट्रांसपोर्ट का हुआ कायाकल्प

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पुणे मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि त्योहारों की खुशियां तब और बढ़ जाती हैं जब जीवन में कोई नई सुविधा जुड़ती है। आज पुणेवासियों के लिए ऐसा ही सुखद अवसर है। मुझे खुशी है कि आज पुणे मेट्रो की एक और लाइन का लोकार्पण हो रहा है। हिंजवड़ी आईटी हब को मिली बेहतर कनेक्टिविटी पीएम मोदी ने याद दिलाया कि 10 साल पहले उन्होंने पुणे मेट्रो के पहले चरण का शिलान्यास किया था। अब हिंजवड़ी से शिवाजीनगर के बीच मेट्रो शुरू होने से शहर के बड़े आईटी हब को मजबूत कनेक्टिविटी मिलेगी। नई लाइन से पुणे के पुराने और नए इलाकों के बीच जुड़ाव और बेहतर होगा। उन्होंने पुणे और महाराष्ट्र के सभी लोगों को बधाई दी। पुणे बनेगा विकसित भारत की नई ऊर्जा



का केंद्र प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पुणे हमेशा से ऐसे विचारों का केंद्र रहा है, जिन्होंने राष्ट्र और समाज को नई दिशा दी है। आज यह शहर विकसित भारत की नई ऊर्जा को भी दिशा दे रहा है। आईटी, ऑटोमोबाइल, फार्मा, स्टार्टअप्स, इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में पुणे युवाओं के सपनों और संकल्प का स्थान है। मजबूत होती मेट्रो कनेक्टिविटी शहर के विकास को नई रफ्तार देगी। शहरों की नई पहचानः कॉम्पिटिटिवनेस और ईज ऑफ लिविंग पीएम मोदी ने बताया कि पहले शहरों की पहचान उनके उद्योगों, खान-पान या फसलों से होती थी। अब दो नई

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 तक देश में महज पांच शहरों में मेट्रो सेवा थी। पुरानी सोच और कार्य संस्कृति से पुणे में मेट्रो पहुंचने में कई दशक और लग जाते।

कसौटियां जुड़ गई हैं–शहर कितना कॉम्पिटिटिव है और वहां ईज ऑफ लिविंग का स्तर क्या है। मेट्रो प्रोजेक्ट इन दोनों मोर्चों पर शहर को मजबूत बनाता है। समय बचने से उत्पादकता बढ़ती है, अर्थव्यवस्था को गति मिलती है और गरीब व मध्यम वर्ग दोनों को फायदा होता है। उन्होंने इसे प्रो-पीपुल, प्रो-एक्टिव और गुड गवर्नेंस का उदाहरण बताया। 2014 से पहले सिर्फ पांच शहरों में थी मेट्रो प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 तक देश में महज पांच शहरों में मेट्रो सेवा थी। पुरानी सोच और कार्य संस्कृति से पुणे में मेट्रो पहुंचने में कई दशक और लग जाते। 2014 में एनडीए सरकार आने के बाद संकल्प लिया गया कि मिडिल क्लास की ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ ट्रांसपोर्टेशन सुधारी जाए। पिछले 12 वर्षों में मेट्रो ट्रांसपोर्ट का पूरा कायाकल्प हो चुका है। भारतीय मेट्रो नेटवर्क अब दुनिया के टॉप-3 में पीएम मोदी ने बताया कि अब रोजाना एक करोड़ से ज्यादा लोग मेट्रो से यात्रा करते हैं। भारतीय मेट्रो नेटवर्क दुनिया के शीर्ष तीन मेट्रो नेटवर्क में शामिल हो गया है। विकसित भारत के निर्माण में देश के हर नागरिक का आत्मविश्वास झलक रहा है। बीते 12 वर्षों में गांव की सड़कों, हाईवे, एक्सप्रेसवे, रेलवे विद्युतीकरण, सुरंगों और पुलों जैसे अनेक बड़े प्रकल्प साकार हुए हैं।

कांग्रेस के साथ जो जाता है, डूब जाता है: शिवराज सिंह चौहान

लखनऊ , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' अभियान के तहत मंगलवार को एनडीए गठबंधन ने लखनऊ में पदयात्रा निकाली। इसमें हजारों की संख्या में भाजपा और सहयोगी दलों के कार्यकर्ता शामिल हुए। केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में निकली इस पदयात्रा में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ एनडीए के सहयोगी दलों के प्रमुख नेता भी शामिल हुए। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा।

पदयात्रा के दौरान केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने भाजपा को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि आपने हमें छेड़ दिया है। आज हजारों की संख्या में कार्यकर्ता लोकतंत्र बचाने और अराजकता हटाने के लिए सड़कों पर उतरे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। उनके मुताबिक, देश में 49 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं और प्रधानमंत्री ने दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार हो रहा है, लेकिन कांग्रेस को यह पसंद नहीं आ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब विपक्ष चुनावी मैदान में मुकाबला नहीं कर पाता तो झूठ फैलाकर देश को गुमराह करने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन लगातार इसी चिंता में लगा है कि नरेंद्र मोदी को कैसे हराया जाए।

इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कई राज्यों में लंबे समय से सत्ता से बाहर है। तमिलनाडु से लेकर उत्तर प्रदेश तक कांग्रेस की राजनीतिक जमीन कमजोर हुई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी ऐसी पार्टी और नेता हैं, जिनके साथ जो जाता है, वह भी डूब जाता है। डूबने के अलावा इनके पास कोई दूसरा रास्ता नहीं है। शिवराज सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि चुनाव नहीं जीत पाने के कारण कांग्रेस और इंडी गठबंधन लोकतंत्र को गुंडातंत्र और लूटतंत्र में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने देश के बंटवारे के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि 1905 में लॉर्ड कर्जन और 1947 में मोहम्मद अली जिन्ना ने देश को बांटने का प्रयास किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और इंडी गठबंधन भी इसी तरह की कोशिश कर रहे हैं। चौहान ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता देश को बांटने और विदेशी ताकतों के इशारे पर भारत विरोधी नैरेटिव चलाने की कोशिशों को सफल नहीं होने देगा।

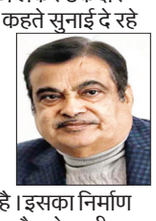


मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मृतकों, दूसरी जगह जा चुके लोगों और फर्जी व डुप्लीकेट नामों को मतदाता सूची से हटाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि करीब एक करोड़ फर्जी और डुप्लीकेट नाम हटाए गए हैं। उनके मुताबिक, इससे विपक्ष परेशान है, क्योंकि वह घुसपैठियों के सहारे सरकार बनाना चाहता है। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए देश के हित में काम करते हैं, जबकि इंडी गठबंधन घुसपैठियों के पक्ष में खड़ा है।

घटिया काम करने पर शर्म आनी चाहिए, गडकरी ने ठेकेदार को लगाई फटकार

- केंद्रीय मंत्री मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क की आधारशिला रखने गए थे वर्धा

वर्धा, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह महाराष्ट्र के वर्धा जिले में घटिया सड़क निर्माण को लेकर एक ठेकेदार को फटकार लगाते नजर आ रहे हैं। वीडियो में गडकरी सड़क निर्माण में घटिया काम करने को लेकर ठेकेदार को फटकार लगाते दिखाई दे रहे हैं। गडकरी ठेकेदार से कहते सुनाई दे रहे हैं कि उसे ''इतना घटिया काम करने पर शर्म आनी चाहिए।'' केंद्रीय मंत्री ने ठेकेदार को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी और सड़क की मरम्मत तत्काल कराने के निर्देश दिए। यह घटना रविवार की बताई जा रही है, जब गडकरी ने वर्धा जिले के सिंदी शहर में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क की आधारशिला रखी थी। यह परियोजना 150.42 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही है। इसका निर्माण महाराष्ट्र एमएमएलपी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है, जो राष्ट्रीय राजमार्ग लॉजिस्टिक्स प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जेएनपीए) का संयुक्त उद्यम है।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गडकरी के कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि पूरी तरह विकसित होने के बाद यह पार्क सड़क और रेल के जरिये माल ढुलाई को सुगम बनाएगा। इससे रसद लागत और परिवहन में लगने वाला समय कम होगा, आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी और औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस परियोजना से रोजगार के अवसर पैदा होंगे और क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। साथ ही इससे भारत की व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम से इतर एक स्थानीय विधायक ने वर्धा की एक सड़क के निर्माण कार्य की गुणवत्ता खराब होने की शिकायत केंद्रीय मंत्री गडकरी से की।

नवीन पटनायक के गुमशुदा पोस्टर से ओडिशा में सियासी घमासान

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा की राजनीति में एक नया सियासी घमासान शुरू हुआ है, जब गंजाम जिले के हिंजिली में पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विधायक नवीन पटनायक के गुमशुदा होने के पोस्टर लगे। इस घटना ने सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी बीजू जनता दल के बीच आरोप-प्रत्यारोप का एक नया दौर छेड़ दिया है। पोस्टर सामने आने के बाद कई सवाल उठ रहे हैं.....आखिर इन पोस्टरों के पीछे कौन है और इसका असली मकसद क्या है? माना जा रहा है कि इन पोस्टरों का संबंध चक्रवात और हाल ही में आई भीषण बाढ़ के बाद हिंजिली विधानसभा क्षेत्र में पूर्व सीएम पटनायक की कथित गैरमौजूदगी से है। पटनायक हिंजिली सीट से विधायक हैं, और उस समय में जब गंजाम जिले में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ था और राज्य को भारी बाढ़ का सामना करना पड़ा था (जिससे 13 लाख लोग प्रभावित हुए थे), उनकी क्षेत्र में अनुपस्थिति को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, पोस्टर लगाने वालों की पहचान अभी तक उजागर नहीं हुई है, और न ही किसी व्यक्ति या संगठन ने इसकी जिम्मेदारी ली है, जिससे इसके पीछे का वास्तविक उद्देश्य अस्पष्ट बना हुआ है। इस घटना ने भाजपा और बीजेडी के बीच राजनीतिक बयानबाजी को तेज किया है। सत्ताधारी भाजपा पूर्व सीएम पटनायक की हिंजिली में कथित अनुपस्थिति पर लगातार सवाल उठा रही है, जबकि विपक्षी बीजेडी अपने नेता का बचाव कर रही है। बीजेडी का कहना है कि पटनायक ने पार्टी नेताओं और प्रशासन के साथ समन्वय के माध्यम से राहत और सामान्य स्थिति बहाल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। फिलहाल, सबसे बड़ा सवाल यही बना हुआ है कि इन गुमशुदा पोस्टरों के पीछे किसका हाथ है और इसका राजनीतिक या अन्य क्या मकसद है। लेकिन इतना तय है कि हिंजिली में लगे इन पोस्टरों ने ओडिशा की राजनीति में चक्रवात के बाद राहत कार्यों और जनप्रतिनिधियों की भूमिका को लेकर एक नई बहस को केंद्र में ला दिया है।

राजधानी दिल्ली में पटाखों की अवैध बिक्री पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

नई दिल्ली, एजेंसी । सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में पटाखों की अवैध बिक्री पर केंद्र सरकार से तत्काल एक्शन लेने को कह दिया है। पटाखों की बिक्री पर पाबंदी के बावजूद राजधानी के बाजारों में विभिन्न प्रकार के पटाखों की धड़ल्ले से बिक्री पर न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने गहरी नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने अखबार की खबर का संज्ञान लेकर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि न्यायालय के आदेशों का पूरी तरह से अनुपालन किया जाए।

न्यायमूर्ति सुंदरेश ने कहा, आज की खबर में एक तस्वीर है, जिसमें दिखाया गया है कि हमारे आदेश के बावजूद दुकानों में सब कुछ उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि बाजार में हर तरह के पटाखे उपलब्ध हैं, चाहे वे लाइसेंस प्राप्त हों या बिना लाइसेंस वाले, उन पर क्यूआर



कोड हो या नहीं। न्यायालय ने इस स्थिति पर तुरंत ध्यान देने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में दीपावली (7 और 8 नवंबर) पर सुबह छह से सात बजे और रात आठ से 10 बजे तक केवल हरित पटाखे फोड़ने की अनुमति दी थी। हालांकि, न्यायालय ने अपने 29 अक्टूबर के आदेश में कहा था कि पूर्ण प्रतिबंध आदर्श समाधान प्रतीत होता है, लेकिन वर्तमान में उसके पास इतने आंकड़े नहीं हैं कि यह तय किया जा सके कि प्रदूषण की समस्या के लिए पूर्ण प्रतिबंध ही सबसे बेहतर विकल्प है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने पटाखों से होने वाले प्रदूषण की समस्या पर चिंता जताकर कहा कि किसी व्यक्ति को किसी विशेष गतिविधि में शामिल होने का अधिकार, भले ही उसका धार्मिक पहलू हो, पूर्ण नहीं है और यह संवैधानिक पाबंदियों से आगे नहीं हो सकता। न्यायालय ने पहले के निर्देशों को लागू करने में अधिकारियों द्वारा बरती गई ढिलाई पर नाराजगी जाहिर की है। पीठ ने स्पष्ट किया कि 9 नवंबर से पटाखों पर पहले लगाया गया पूर्ण प्रतिबंध फिर से लागू हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, न्यायालय ने निर्देश दिया है कि अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक एवं जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित ध्वनि निषेध क्षेत्रों के 300 मीटर के दायरे में पटाखे नहीं फोड़े जाएंगे। इन क्षेत्रों को पटाखा-मुक्त क्षेत्र घोषित किया जाएगा और उनकी विधिवत निशानदेही की जाएगी।

अनिश्चितकालीन धरनों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त: सार्वजनिक स्थान घेरना गलत

केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर मांगा जबाव

नई दिल्ली , एजेंसी। अनिश्चितकालीन धरनों पर सख्त रुख दिखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए हैं। यह कार्रवाई मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शनों पर दिल्ली पुलिस की सख्ती को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के दौरान की गई। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कोई भी समूह विरोध प्रदर्शन के लिए किसी सार्वजनिक स्थान पर अनिश्चित काल तक कब्जा करके नहीं बैठ सकता। यह टिप्पणी मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत, और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस जेवी मोहना की पीठ ने की। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट की पीठ किराना कमिटी दिल्ली की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें त्यौहारों के दौरान विरोध प्रदर्शनों पर रोक लगाने की मांग की गई है। सुनवाई के दौरान विरोध करने के अधिकार, पुलिस की कथित ज्यादतियों, सार्वजनिक स्थानों पर पाबंदियों और प्रदर्शनों का व्यापार पर पड़ने वाले असर को लेकर तीखी बहस हुई।

दिल्ली व्यापारी संघों का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शनों के कारण होने वाली बाधाओं पर गहरी चिंता जाहिर की। उन्होंने तर्क दिया कि विरोध-प्रदर्शनों से व्यावसायिक गतिविधियों को भारी नुकसान होता है, खासकर त्यौहारी सीज़न में हुआ नुकसान कारोबारी को ज्यादा तकलीफ देता है। वरिष्ठ अधिवक्ता रोहतगी ने अदालत से कहा कि कनॉट प्लेस और आसपास के इलाकों में दुकानें बंद रहीं, जिससे व्यापारियों को करोड़ों का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि अब किसी अलग तरह के समाधान (आउट-ऑफ-द-बॉक्स सॉल्यूशन) के बारे में सोचना होगा, क्योंकि यह सिर्फ जंतर-मंतर पर कुछ लोगों के बैठने का मामला नहीं, बल्कि आसपास रहने वाले 50 लाख लोगों और उनके कारोबार से जुड़ा हुआ मुद्दा है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी ने दिल्ली पुलिस द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत जारी आदेशों को अदालत में अलग से पेश न करने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने अपनी कार्रवाई के पक्ष में तर्क दिए हैं, लेकिन संबंधित आदेश रिकॉर्ड पर नहीं हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मोदी सरकार के पांचवें हलफनामे में यह जानकारी मौजूद है, जिसमें हेबियस कॉर्पस याचिकाएं, पत्रकार, वकील और जंतर-मंतर को डीनोटिफाई करने जैसे



मामले शामिल हैं। गुरुस्वामी ने इस हलफनामे की एक प्रति की मांग की। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि बंद का आह्वान करने वालों को इसके नतीजों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। जस्टिस बागची ने पूछा कि क्या विरोध-प्रदर्शन के आयोजकों को कानूनी कार्यवाही में पक्षकार बनाया गया है, जिस पर रोहतगी ने उन्हें भी शामिल करने की बात कही। सुप्रीम कोर्ट अब इस जटिल मामले में विरोध प्रदर्शन के मौलिक अधिकार और सार्वजनिक व्यवस्था व आर्थिक गतिविधियों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास कर रहा है।

संपादकीय

फिर हेलीकॉप्टर हादसा

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि उत्तराखंड में तीर्थयात्रियों को ला रहा एक हेलीकॉप्टर फिर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में बद्रीनाथ से देहरादून लौट रहे पांच तीर्थयात्रियों और पायलट समेत छह लोगों की मौत हो गई। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के चलते पहाड़ी इलाकों में हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने पर यात्रियों के बचने की संभावना ना के बराबर होती है। यदि राहत व बचाव का कार्य शुरू भी किया जाए तो विषम परिस्थितियों में यह संभव नहीं हो पाता। लेकिन बेहद ऊंचे हिमालयी इलाकों में हेलीकॉप्टर सेवा को लेकर जो अतिरिक्त सुरक्षा सावधानी बरती जानी चाहिए, वह नजर नहीं आती। लगता हेलीकॉप्टर सेवा संचालित करने वाली कंपनियां यात्रियों की सुरक्षा के बजाय अपने मुनाफे को ही प्राथमिकता दे रही हैं। विडंबना यह है कि उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान ऐसे हादसे लगातार होते रहे हैं। बल्कि हादसों के बाद कुछ समय के लिये हेलीकॉप्टर सेवाओं को रोका भी गया था। लेकिन फिर 'वही ढाक के तीन पात' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में इस हिमालयी राज्य में हेलीकाप्टर हादसे और इमरजेंसी की स्थिति में हेलीकॉप्टर उतारने की कई घटनाएं सामने आई हैं। जिसके चलते निजी कंपनियों द्वारा हवाई सेवा के परिचालन के तौर-तरीकों और तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस बाबत गत वर्ष जुलाई में संसद में नागरिक उड्डयन मंत्रालय की तरफ से आधिकारिक जानकारी संसद को दी गई थी। जिसमें बताया गया कि साल 2020 के बाद देश में बारह हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई थी। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इनमें से सात दुर्घटनाएं सिर्फ उत्तराखंड में हुई थीं। इन हादसों में जिन तीस लोगों की मृत्यु हुई, उनमें से इक्कीस सिर्फ उत्तराखंड में हुए हादसों में मारे गए। जिससे उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में हवाई सेवा देने वाली कंपनी की सुरक्षा नीति और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठने स्वाभाविक ही हैं। इन हादसों के बाद हुए व्यापक विरोध के चलते कुछ समय हेलीकॉप्टर सेवा का परिचालन स्थगित भी किया गया था।

यहां सवाल उठना स्वाभाविक है कि इन हादसों के बाद भी नियामक संस्थाएं तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी की जवाबदेही क्यों तय नहीं कर रही हैं? सवाल यह भी है कि तीर्थ यात्रियों का जीवन खतरे में डालने वाली कंपनी के मालिक व अधिकारियों को क्या कभी जवाबदेह ठहराया गया? क्या कंपनी पर कभी जुर्माना लगाया गया? बीच में सेवा को स्थगित किया था,तो क्या इस सेवा को फिर से शुरू करने के लिये सुरक्षा मानकों पर कंपनी खरी उतरी थी? यदि खरी उतरी थी तो यह नया हादसा कैसे हुआ? जाहिर है, इस हेलीकॉप्टर सेवा के दौरान सिर्फ कंपनी के मुनाफे को प्राथमिकता दी जा रही है। यह सर्वविदित है कि बद्रीनाथ व केदारनाथ आदि तीर्थ बेहद ऊंचाई पर स्थित हैं। जहां लगातार मौसम अचानक बदलता रहता है। मौसम खराब होने पर हवाई यात्रा जोखिमभरी होती है। जिसके चलते बदलते मौसम को लेकर भी सतर्कता बरतनी बेहद जरूरी है। वहीं दूसरी ओर तीर्थयात्रियों का हादसे का शिकार होना, श्रद्धालुओं की आस्था व विश्वास को भी प्रभावित करता है। उनके मन में कई तरह के संशय पैदा करता है। यह विडंबना है कि इस हिमालयी राज्य में धार्मिक पर्यटन में वृद्धि और हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने के बावजूद सुरक्षा के मानकों के प्रति सरकार ने गंभीरता नहीं दिखायी। यदि शुरुआती हादसों के बाद कंपनी का लाइसेंस स्थगित करके जवाबदेही तय की जाती तो शायद फिर इन दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होती। फिर सुरक्षित सफर के लिये हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी आवश्यक सावधानी का अनिवार्य रूप से पालन करती। यह निर्विवाद तथ्य है कि सुविधाओं के विस्तार के साथ इस संवेदनशील इलाके में सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मौसम के तेवर में बदलाव और मामूली तकनीकी त्रुटि तीर्थयात्रियों के लिये जानलेवा ही साबित होती है। यह विडंबना ही कि सरकारें तीर्थस्थलों व पर्यटन स्थलों पर यात्रियों को लुभाने के लिये तमाम तरह के सब्जबाग तो दिखाती हैं लेकिन जोखिम मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्धता नजर नहीं आती।

सूक्ति

आपका कोई भी काम महत्वहीन हो सकता है पर महत्त्वपूर्ण यह है कि आप कुछ करें।
- महात्मा गांधी
चरित्रहीन शिक्षा, मानवता विहीन विज्ञान और नैतिकता विहीन व्यापार ख़तरनाक होते हैं।
- सत्यसाई बाबा

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

आजम खान की गिरफ्तारी: कानून का तकाजा या सियासी टकराव का नया अध्याय?


सौरभ वार्ष्णेय

जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद आजम खान को गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उन्हें डासना जेल में रखा जाएगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब उनसे पुलिस कस्टडी में पूछताछ के लिए रिमांड लेने की तैयारी कर रहा है। जांच एजेंसी का आरोप है कि जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण और उसके वित्तीय प्रबंधन में सरकारी धन के कथित दुरुपयोग तथा वित्तीय अनियमितताओं की आशंका है। आजम खान की गिरफ्तारी ने एक बार फिर देश की राजनीति में जांच एजेंसियों की भूमिका, राजनीतिक जवाबदेही और कानून के निष्पक्ष इस्तेमाल को लेकर बहस छेड़ दी है।

लोकतंत्र में कानून का शासन सर्वोपरि होता है। किसी व्यक्ति का राजनीतिक कद कितना भी बड़ा क्यों न हो, यदि उसके विरुद्ध वित्तीय अनियमितताओं या भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं तो जांच होनी चाहिए। सार्वजनिक जीवन में रहने वाले व्यक्तियों की जवाबदेही आम नागरिकों से कम नहीं, बल्कि अधिक होनी चाहिए। लेकिन इसके साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि जांच की प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और संविधान की मर्यादाओं के अनुरूप हो। किसी व्यक्ति को राजनीतिक पहचान के आधार पर न तो अपराधी माना जा सकता है और न ही राजनीतिक सहानुभूति के आधार पर आरोपों से मुक्त किया जा सकता है।

आजम खान उत्तर प्रदेश की राजनीति का एक चर्चित और प्रभावशाली चेहरा रहे हैं। रामपुर की राजनीति से राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाने वाले आजम खान समाजवादी पार्टी के प्रमुख नेताओं में शामिल रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और सांसद के रूप में उनकी राजनीतिक भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उनके विरुद्ध दर्ज विभिन्न मुकदमों और कानूनी कार्रवाइयों ने उनके राजनीतिक जीवन को लगातार प्रभावित किया है। अब जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की कार्रवाई ने उनके सामने एक नई कानूनी चुनौती खड़ी कर दी है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आजम खान लगभग 11 महीने जेल में रहने के बाद शनिवार को रामपुर जेल से बाहर आए थे। लेकिन उनकी रिहाई की खुशी अधिक समय तक नहीं टिक सकी और प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें दूसरे मामले में हिरासत में ले लिया। रविवार को गाजियाबाद की विशेष अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब ईडी उनसे जौहर यूनिवर्सिटी की स्थापना, उसके निर्माण में इस्तेमाल धन, फंडिंग के स्रोत और कथित मनी ट्रेल के संबंध में पूछताछ करना चाहती है। यह पूरा घटनाक्रम कई गंभीर सवाल खड़े करता है।

सबसे पहला सवाल जौहर यूनिवर्सिटी के वित्तीय प्रबंधन का है। किसी भी शैक्षणिक संस्थान की स्थापना और संचालन के लिए धन की आवश्यकता होती है। यदि किसी संस्थान को सरकारी सहायता, निजी दान या अन्य वित्तीय स्रोतों से धन मिला है तो उसका पूरा हिसाब-किताब सार्वजनिक और कानूनी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। आखिर धन कहां से आया, किस उद्देश्य से प्राप्त हुआ और उसका उपयोग किन कार्यों में किया गया? इन सवालों का जवाब दस्तावेजों और वित्तीय साक्ष्यों के आधार पर सामने आना चाहिए। यदि सरकारी धन के दुरुपयोग या अवैध लेन-देन के प्रमाण मिलते हैं तो दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन केवल आरोपों के आधार पर किसी को दोषी ठहराना न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध होगा।

दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न जांच एजेंसियों की निष्पक्षता और उनकी कार्यप्रणाली से जुड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों के अनेक नेताओं पर केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर राजनीतिक विवाद सामने आते रहे हैं। विपक्ष अक्सर आरोप लगाता है कि जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को दबाने के लिए किया जा रहा है, जबकि सरकार और जांच एजेंसियां इन कार्रवाइयों को कानून के तहत की गई जांच बताती हैं। ऐसे में जनता के मन में उठने वाले संदेहों को दूर करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। इसका सबसे प्रभावी तरीका यही है कि जांच एजेंसियां अपने प्रत्येक कदम को ठोस साक्ष्यों और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर उचित ठहराएं।

आजम खान के मामले में भी समाजवादी पार्टी की ओर से राजनीतिक प्रतिशोध के आरोप लगाए जा सकते हैं, लेकिन इन आरोपों की सत्यता का फैसला अदालत और उपलब्ध साक्ष्य ही करेंगे। इसी तरह ईडी के आरोपों को भी अंतिम न्यायिक निष्कर्ष नहीं माना जा सकता। जांच और मुकदमे के बीच अंतर समझना जरूरी है। न्यायिक हिरासत में भेजे जाने का अर्थ दोष सिद्ध होना नहीं है। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को निष्पक्ष सुनवाई और कानूनी बचाव का अधिकार देता है। आजम खान को भी यह अधिकार पूरी तरह मिलना चाहिए।

इस प्रकरण का एक व्यापक पक्ष शिक्षा और सार्वजनिक संस्थानों की विश्वसनीयता से भी जुड़ा है। जौहर यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान केवल किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं होते, बल्कि उनसे हजारों विद्यार्थियों और कर्मचारियों का भविष्य जुड़ा होता है। यदि वित्तीय अनियमितताओं के कारण किसी विश्वविद्यालय की गतिविधियां प्रभावित होती हैं तो सबसे अधिक नुकसान विद्यार्थियों को उठाना पड़ता है। इसलिए जांच के दौरान यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि शिक्षा व्यवस्था और विद्यार्थियों के हित अनावश्यक रूप से प्रभावित न हों।

राजनीतिक दलों को भी इस मामले में संयम बरतने की जरूरत है। सत्ता पक्ष को जांच को अपनी राजनीतिक उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करने से बचना चाहिए और विपक्ष को भी हर कानूनी कार्रवाई को राजनीतिक साजिश बताकर खारिज नहीं करना चाहिए। लोकतंत्र में न तो जांच एजेंसियां किसी सरकार की निजी संस्था हैं और न ही राजनीतिक नेता कानून से ऊपर हैं। इसी तरह सरकार को भी यह अधिकार नहीं दिया जा सकता कि वह जांच के नाम पर किसी नागरिक के संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी करे।

आजम खान का मामला केवल एक नेता की गिरफ्तारी या जेल भेजे जाने तक सीमित नहीं है। यह देश की न्याय व्यवस्था, जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता और राजनीतिक जवाबदेही की कसौटी भी है। ईडी को यदि वित्तीय अनियमितताओं के प्रमाण मिले हैं तो उन्हें अदालत के सामने मजबूती से प्रस्तुत करना चाहिए। आजम खान को भी अपने विरुद्ध लगाए गए आरोपों का कानूनी जवाब देने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। अदालत को उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष निर्णय करना चाहिए।

लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती इसी में है कि कानून का तराजू सत्ता और विपक्ष, प्रभावशाली और सामान्य नागरिक के बीच कोई भेदभाव न करे। अपराध साबित होने पर सजा मिले और निर्दोष होने पर सम्मानपूर्वक न्याय। आखिरकार न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि उसकी निष्पक्षता जनता को दिखाई भी देनी चाहिए। आजम खान प्रकरण में भी देश की निगाहें इसी न्यायिक कसौटी पर टिकी हैं।

मिलावटखोरी पर आफत बना शुद्ध ही शुभ है अभियान


मनोज कुमार अग्रवाल

उत्तर प्रदेश में मिलावटखोरों और नकली सामान बेचने वालों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा शुद्ध ही शुभ है अभियान के तहत बड़े पैमाने पर छापेमारी की जा रही है। त्योहारों विशेषकर दीपावली के मद्देनजर शुरू किए गए इस राज्यव्यापी अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों तक सुरक्षित भोजन और भरोसेमंद स्वास्थ्य उत्पाद पहुंचाना है।

खाद्य सुरक्षा की टीमों ने उत्तर प्रदेश के 38 जिलों और 17 मंडलों में फैले 260 से अधिक दुकानों और खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की है। इसके अलावा, 6 प्रमुख जिलों में 317 से अधिक होटलों और रेस्टोरेंट की गहन जांच की गई।

जांच के दौरान कई नामी प्रतिष्ठानों में हाइजीन (सफाई) की भारी कमी, एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल, कीड़े-मकौड़ों व चूहों का संक्रमण और वेज-नॉनवेज को अलग न रखने जैसी गंभीर लापरवाहियां सामने आईं। कई जगहों पर मिठाइयां खुले में रखी मिलीं और पनीर में स्टार्च मिलाने के मामले भी पकड़े गए।नियमों का उल्लंघन करने पर कई दुकानदारों के लाइसेंस रद्द/निलंबित कर दिए गए हैं। संभल जैसे जिलों में छापेमारी कर करीब 820 किलो मिलावटी रसगुल्ले और 50 लीटर खराब दूध को मौके पर ही नष्ट कराया गया।

प्रदेश के विभिन्न बाजारों जैसे प्रतापगढ़, संभल, वाराणसी, आगरा, लखनऊ से खोया, घी, पनीर, छैना और सोनपापड़ी के सैकड़ों नमूने लेकर जांच के लिए लैब भेजे गए हैं। इसके साथ ही, गुलाब जल के नाम पर नशीले पदार्थ (ड्रग्स) बनाने वाले माफियाओं के खिलाफ भी सरकार ने सख्त एक्शन लिया है

आपको बता दें कि यूपी की राजधानी लखनऊ के नादरगंज स्थित महेश नमकीन प्रतिष्ठान में निरीक्षण के दौरान गंदगी, मकड़ी के जाले, कबूतरों की मौजूदगी और भंडारण संबंधी गंभीर खामियां मिलीं. स्थिति को देखते हुए विभाग ने तत्काल नमकीन उत्पादन पर रोक लगा दी. इसके अलावा 18 अन्य प्रतिष्ठानों को कमियां दूर करने के लिए सुधार नोटिस जारी किए गए. खाद्य पदार्थों और तलने वाले तेल के 19 नमूने भी जांच के लिए भेजे गए हैं.हापुड़ में खाद्य सुरक्षा विभाग ने एनएच-9 पर चोटीवाला ढाबे के पास एक वाहन की जांच के दौरान 600 किलोग्राम पनीर बरामद किया. यह पनीर मुरादाबाद से दिल्ली बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था. जांच में पनीर गंदे बर्तनों में अखाद्य बर्फ के साथ अस्वच्छ परिस्थितियों में रखा मिला. खट्टेपन और दुर्गंध के कारण मिलावट की आशंका पर दो नमूने जांच के लिए लिए गए. शेष 597 किलोग्राम पनीर, जिसकी कीमत लगभग 1.81 लाख रुपये बताई गई, नियमानुसार गड्ढे में दबाकर नष्ट कर दिया गया.

इसके अलावा हापुड़ जनपद में पिलखुवा क्षेत्र में एक गैर मानकीकृत कारखाने में नकली बंगाली मिठाई बनती पकड़ी गई 650 किलो मिठाई नष्ट करा दी गयी।

रायबरेली में नरेश स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट पर छापेमारी के दौरान तीन नमूने संग्रहित किए गए. खाद्य सामग्री की गुणवत्ता खराब मिलने पर 348 किलोग्राम बेसन और मिठाई, जिसकी कीमत करीब 48 हजार रुपये थी, मौके पर ही नष्ट कराई गई. साथ ही आवश्यक सुधार होने तक प्रतिष्ठान को बंद करा दिया गया.

रिपोर्ट्स के अनुसार खाद्य सुरक्षा जांच के साथ-साथ विधिक माप विज्ञान विभाग भी त्योहारों के दौरान बाजारों में सक्रिय है. 26 अक्टूबर से शुरू हुआ विशेष अभियान 31 अक्टूबर तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण 2 से 5 नवंबर तक संचालित होगा. विभाग की टीमें मिठाई-गिफ्ट पैक, एलपीजी सिलेंडर, खाद्य तेल, घी, आटा, मैदा, सूजी, ज्वैलर्स प्रतिष्ठानों और पेंट कारोबारियों की जांच कर रही हैं. विशेष रूप से मिठाई के डिब्बों के वजन को मिठाई में जोड़कर अधिक कीमत वसूलने, एमआरपी से ज्यादा राशि लेने और माप-तौल में गड़बड़ी जैसी शिकायतों पर फोकस किया जा रहा है.

खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के तहत त्योहारों के दौरान उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश में विधिक माप विज्ञान विभाग का विशेष जांच अभियान तेज कर दिया गया है. दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैयादूज और छठ जैसे प्रमुख पर्वों को देखते हुए विभाग की टीमें बाजारों में औचक निरीक्षण कर रही हैं. अभियान के तहत घटतौली, पैकेज्ड वस्तुओं पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से अधिक वसूली और माप-तौल से जुड़ी अनियमितताओं पर विशेष नजर रखी जा रही है. 26 अक्टूबर से शुरू हुआ यह अभियान 31 अक्टूबर तक पहले चरण में और 2 से 5 नवंबर तक दूसरे चरण में जारी रहेगा.



मिठाई और गिफ्ट पैक, एलपीजी सिलेंडर, खाद्य तेल, घी, आटा, मैदा, सूजी, ज्वैलर्स प्रतिष्ठान और पेंट कारोबारियों को विशेष निगरानी में रखा गया है. विभाग यह सुनिश्चित कर रहा है कि उपभोक्ताओं को घोषित मात्रा के अनुरूप वस्तुएं मिलें और उनसे निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली न की जाए. सरकार का कहना है कि त्योहारों के दौरान नागरिकों को सुरक्षित, पारदर्शी और निष्पक्ष खरीदारी का माहौल उपलब्ध कराना उसकी प्राथमिकता है तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. इस अभियान से मिलावटखोरो में हडकंप मच गया है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

नदियों की गाद से बनेंगे राष्ट्रीय राजमार्ग, बिहार के विकास को मिलेगी नई गति

'नदी संजीवनी' पहल से बाढ़ नियंत्रण, जलाशयों के पुनर्जीवन और सड़क निर्माण को जोड़ने की ऐतिहासिक पहल...

बिहार की नदियों में जमा गाद अब राज्य के लिए केवल बाढ़ और जलजमाव की समस्या नहीं रहेगी,बल्कि विकास का नया संसाधन बनने जा रही है। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद का उपयोग राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में किया जाएगा। इस उद्देश्य से 3 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और बिहार सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में हुई यह पहल 'नदी संजीवनी' के माध्यम से जल प्रबंधन और आधारभूत संरचना के विकास को एक साथ जोड़ती है। इसका लक्ष्य नदियों की जलवहन क्षमता में सुधार, बाढ़ के जोखिम को कम करने और निर्माण कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध उपयुक्त सामग्री का उपयोग करना है।बिहार जैसे बाढ़ प्रभावित राज्य के लिए इस समझौते का विशेष महत्त्व है। राज्य का बड़ा भूभाग गंगा के मैदानी क्षेत्र में स्थित है। गंगा के साथ गंडक, कोसी, बागमती, कमला-बालन, महानंदा, सोन और पुनपुन जैसी नदियाँ बिहार की जीवनरेखा हैं। नेपाल से आने वाली नदियों में वर्षा के मौसम में जलस्तर बढ़ने और उनके साथ बड़ी मात्रा में गाद आने से राज्य के अनेक जिलों में बाढ़ और जलजमाव की स्थिति उत्पन्न होती है। नदियों के तल में लगातार जमा होती गाद जलप्रवाह और जलधारण क्षमता को प्रभावित करती है। बिहार में 50 हजार से अधिक जल निकायों की मौजूदगी इस समस्या के व्यापक स्वरूप को दर्शाती है। ऐसे में वैज्ञानिक तरीके से गाद निकालने और उसका उपयोगी पुनः इस्तेमाल करने की पहल जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

इस समझौते की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें गाद को अपशिष्ट के बजाय निर्माण कार्य में उपयोगी संसाधन के रूप में देखा गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आकलन के अनुसार,बिहार में निर्माणाधीन 16 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में नदियों से निकाली गई लगभग 243 लाख घन मीटर गाद का उपयोग किया जाएगा। भविष्य की 27 परियोजनाओं के लिए लगभग 835 लाख घन मीटर गाद के उपयोग का प्रस्ताव है। यह सामग्री तकनीकी परीक्षण और निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरी उतरने के बाद ही सड़क निर्माण में इस्तेमाल की जाएगी। इससे सड़क निर्माण के लिए मिट्टी की उपलब्धता बढ़ेगी और प्राकृतिक ऊपरी मिट्टी के अनावश्यक दोहन को सीमित करने में मदद मिलेगी।बिहार में



इस समय लगभग 1,561 किलोमीटर लंबाई की 39 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ निर्माणाधीन हैं, जिनकी कुल लागत करीब 58,340 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त लगभग 1,982 किलोमीटर लंबाई की 11 नई परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं, जिनकी अनुमानित लागत करीब 75,200 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर निर्माण सामग्री की आवश्यकता होगी। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद इस आवश्यकता को पूरा करने में सहायक हो सकती है। इस व्यवस्था से एक ओर जल निकायों की सफाई और पुनर्जीवन को गति मिलेगी, वहीं दूसरी ओर राजमार्ग निर्माण के लिए स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी लंबे समय से बिहार में बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए व्यापक जल प्रबंधन, नदियों की ड्रेजिंग, तट संरक्षण और जल ग्रिड की अवधारणा पर जोर देते रहे हैं। पटना में आयोजित बिहार निवेशक सम्मेलन के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग और बिजली ग्रिड की तर्ज पर जल ग्रिड विकसित करने का विचार रखा था। उनका कहना था कि एक नदी बेसिन में उपलब्ध अतिरिक्त पानी को दूसरे बेसिन तक पहुँचाने की व्यवस्था से जल संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने नदियों से गाद निकालकर उसका उपयोग राजमार्ग निर्माण में करने की संभावना भी व्यक्त की थी। अब केंद्र और बिहार सरकार के बीच हुआ यह समझौता उस विचार को संस्थागत रूप देने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के अवसर पर बिहार की गाद प्रबंधन नीति को राज्य के लिए दूरगामी महत्त्व का कदम बताया। उन्होंने कहा कि बिहार में नेपाल से आने वाली सात प्रमुख नदियों के कारण बाढ़ की चुनौती गंभीर बनी रहती है। राज्य सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए व्यापक गाद प्रबंधन नीति तैयार की है, ताकि नदियों में जमा गाद को विकास के संसाधन में बदला जा सके। मुख्यमंत्री ने बांका जिले के ओढ़नी बांध का उदाहरण देते हुए बताया कि गाद निकालने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कराने पर लगभग 350 करोड़ रुपये की आवश्यकता बताई गई थी, जबकि राज्य सरकार की ओर से निविदा आमंत्रित किए जाने पर एक निजी ठेकेदार ने काम करने के बदले सरकार को 60 करोड़ रुपये देने की पेशकश की। इस उदाहरण से स्पष्ट होता है कि वैज्ञानिक और व्यावसायिक दृष्टिकोण अपनाने पर गाद प्रबंधन आर्थिक अवसर भी बन सकता है।मुख्यमंत्री ने गंगा के दोनों किनारों पर बिहार में चार लेन के मार्ग विकसित करने की संभावना पर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने गंगा के जलमार्गों को व्यवस्थित करने और नदी तल से गाद निकालने के माध्यम से बड़े भूभाग को उपयोगी बनाने की संभावना का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री की दृष्टि में नदी प्रबंधन को बाढ़ नियंत्रण तक सीमित रखने के बजाय कृषि, परिवहन, औद्योगिक विकास और रोजगार से जोड़ना आवश्यक है। हालाँकि, इस प्रकार की व्यापक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने से पहले विस्तृत तकनीकी, पर्यावरणीय और सामाजिक अध्ययन जरूरी होगा, ताकि नदी के प्राकृतिक प्रवाह और पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।इस पहल की सफलता केवल गाद निकालने की मात्रा से नहीं, बल्कि उसकी वैज्ञानिक प्रक्रिया और पर्यावरणीय सुरक्षा से तय होगी। नदियों और जलाशयों की पहचान, गाद की मात्रा का आकलन, उसकी गुणवत्ता की जाँच और उपयोग की उपयुक्तता निर्धारित करना आवश्यक होगा। सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को मंत्रालय तथा भारतीय सड़क कांग्रेस के निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। नदी के तटों, तटबंधों, पुलों और आसपास की बस्तियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा। गाद की निकासी, ढुलाई और उपयोग की मात्रा का पारदर्शी रिकॉर्ड तथा नियमित निगरानी इस पूरी व्यवस्था को जवाबदेह बनाएगी। बिहार सरकार की गाद प्रबंधन नीति और केंद्र के साथ हुए इस समझौते का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब क्रियान्वयन में पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय समुदायों के हितों को प्राथमिकता दी जाएगी।बिहार में सड़क अवसंरचना का विस्तार भी इस पहल को विशेष महत्त्व देता है। वर्ष 2014 के बाद राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 के बाद राज्य की प्रमुख नदियों पर 29 नए पुलों के निर्माण की दिशा में भी काम हुआ है। बेहतर सड़क संपर्क से कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने, औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, पर्यटन विकसित करने और रोजगार के अवसर सृजित करने में सहायता मिलती है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से लगभग 49,751 करोड़ रुपये की चार प्रमुख सड़क एवं एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया था। इनमें पटना-पूर्णिया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे, सरिस्ताबाद-दीदारगंज और अनीसाबाद-दीदारगंज खंडों में एलिवेटेड मार्ग, वाराणसी- रांची-कोलकाता ग्रीनफील्ड राजमार्ग तथा गंडक नदी पर पुल निर्माण जैसी परियोजनाएँ शामिल हैं। इन परियोजनाओं से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है।

'नदी संजीवनी' पहल का व्यापक संदेश यही है कि प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन विकास की नई संभावनाएँ खोल सकता है। नदियों में जमा गाद को हटाकर जलप्रवाह और जलधारण क्षमता में सुधार करना तथा उपयुक्त सामग्री को राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में लगाना संसाधनों के पुनः उपयोग का व्यावहारिक उदाहरण है। इससे निर्माण सामग्री की उपलब्धता बढ़ सकती है, उपजाऊ मिट्टी के अनावश्यक दोहन पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है और जल निकायों के पुनर्जीवन को प्रोत्साहन मिल सकता है। बिहार की बाढ़ समस्या का समाधान किसी एक योजना से संभव नहीं है, लेकिन यह पहल नदी प्रबंधन, सड़क निर्माण और पर्यावरण संरक्षण के बीच समन्वय स्थापित करने का अवसर अवश्य प्रदान करती है। अब जरूरत समयबद्ध कार्ययोजना, पारदर्शी निगरानी और प्रभावी क्रियान्वयन की है। यदि केंद्र और राज्य सरकारें इसे धरातल पर सफलतापूर्वक लागू कर पाती हैं, तो बिहार की नदियों की गाद वास्तव में राज्य के विकास की नई संजीवनी बन सकती है।

अमरोहा
बुधवार 04 नवंबर 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा/सम्भल

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

त्रिवेणी समूह की चंदनपुर चीनी मिल के पेराई सत्र 2026-27 का हुआ शुभारंभ

चंदनपुर चीनी मिल में गन्ने की पेराई शुरू, 93 लाख कुंतल का लक्ष्य निर्धारित





अमरोहा (सब का सपना):- त्रिवेणी समूह की चंदनपुर चीनी मिल के पेराई सत्र 2026-27 का शुभारंभ आज मुख्य अतिथि विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़गवंशी एवं जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर चीनी मिल में गन्ने की पेराई भी प्रारंभ हो गई। पेराई सत्र के शुभारंभ अवसर पर सर्वप्रथम केन कैरियर पर पूर्ण वैदिक रीति-रिवाज से गुरुकुल की शिक्षिकाओं सुचेता आर्या, निधि आर्या, शिवानी आर्या, पूर्वा आर्या एवं संगीता आर्या द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं हवन किया गया। इसके उपरांत मुख्य अतिथि विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी एवं जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ का चीनी मिल के उपाध्यक्ष आमोद कुमार शर्मा ने समस्त अधिकारियों एवं गणमान्य अतिथियों के साथ स्वागत किया। पूजन कार्यक्रम में विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी, जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़, चीनी मिल के उपाध्यक्ष आमोद कुमार शर्मा, जिला गन्ना अधिकारी मनोज कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों एवं कृषकों ने पूर्ण विधि-विधान से केन कैरियर का पूजन किया तथा हवन में आहुति देकर पेराई सत्र 2026-27 की सफलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इसके उपरांत अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर पेराई सत्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रथम गन्ना आपूर्ति करने वाले कृषकों को सम्मानित किया गया। बुग्गी से गन्ना लेकर आए कृषक अजीत पुत्र रामकुंवर निवासी मटीपुरा को माननीय विधायक द्वारा सम्मानित किया गया। वहीं ट्रैक्टर से गन्ना लेकर आए कृषक दयाराम पुत्र मोहर निवासी खनौरा को जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। सुभाष पुत्र हरपाल निवासी चंदनपुर को जिला गन्ना अधिकारी मनोज कुमार द्वारा माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त प्रथम ट्रॉली में गन्ना लेकर आए कृषक को भी सम्मानित किया गया। इस वसर पर चीनी मिल के उपाध्यक्ष आमोद कुमार शर्मा ने बताया कि इस वर्ष चीनी मिल का गन्ना पेराई लक्ष्य 93.00 लाख कुंतल तथा चीनी परता का लक्ष्य 11.40 निर्धारित किया गया है। उन्होंने सभी कृषक भाइयों से अपील की कि वे अपना साफ, स्वच्छ एवं ताजा गन्ना चीनी मिल में आपूर्ति करें तथा गन्ने की आपूर्ति में अनावश्यक इधर-उधर न डालें। चीनी मिल में गन्ना डालकर अपना बेसिक कोटा मजबूत करें। उन्होंने आश्वस्त किया कि किसानों को गत वर्षों की भांति समय से गन्ना मूल्य का भुगतान किया जाएगा।

अमरोहा पुलिस ने IGRS में फिर मारी बाजी, 2026 में आठवीं बार प्रदेश में पहले स्थान पर



अमरोहा (सब का सपना):- जनसुनवाई पोर्टल (IGRS) पर शिकायतों के समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में अमरोहा पुलिस ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। एसपी लखन सिंह यादव के निर्देशन में IGRS शाखा के प्रयासों से जनपद ने वर्ष 2026 में आठवीं बार प्रदेश के सभी जनपदों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही जनपद के 11 थानों ने भी अपने प्रभावी निस्तारण के आधार पर प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान हासिल कर जनपद को गौरवान्वित किया है। एसपी ने इस उपलब्धि पर IGRS प्रभारी निरीक्षक करणपाल सिंह, आरक्षी सारुल चौहान, प्रशान्त चौहान और प्रदीप चौधरी को बधाई दी और भविष्य में भी इसी प्रकार जनसेवा जारी रखने के निर्देश दिए।

मेरठ में विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों की समीक्षा, 18 जिलों के अधिकारी शामिल



मेरठ/लखनऊ (सब का सपना):- आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 को लेकर भारत निर्वाचन आयोग ने मेरठ में समीक्षा बैठक की। वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गर्ग की अध्यक्षता व मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा की मौजूदगी में मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद और अलीगढ़ मंडल के 18 जनपदों की तैयारियों का जायजा लिया गया।बैठक मेरठ के ऊर्जा भवन में हुई, जिसमें मतदाता सूची, मतदान केंद्रों पर AMF सुविधा, एस्ट- VVPAT प्रबंधन, कार्मिक प्रशिक्षण, कानून-व्यवस्था, संवेदनशील केंद्रों की पहचान, सुरक्षा बलों की तैनाती, वेबकास्टिंग आदि बिंदुओं पर चर्चा हुई। गर्ग ने निर्देश दिए कि EVM मतदाताओं का सत्यापन, सीमावर्ती जिलों से समन्वय, अटक्रसुविधा, EVM जागरूकता, अवैध शराब पर निगरानी, मोबाइल ड्रॉप बॉक्स व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने नए युवा मतदाताओं को जोड़ने के लिए स्कूल-कॉलेजों में विशेष अभियान, फॉर्म-6 की पुनः जांच, NGRS/PGRS शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण, FST-SST तैनाती, वोटर स्लिप का 5 दिन पहले वितरण व सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में अमरोहा, मेरठ, बागपत, बुलंदशहर, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, हापुड़, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, संभल, अलीगढ़, एटा, हाथरस व कासगंज के मंडलायुक्त, पुलिस आयुक्त, IG/DIG, DEO व SSP/SP मौजूद रहे।

पैक्स कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त, जनपद की सभी सहकारी समितियां खुलीं

अमरोहा (सब का सपना):- सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता, उत्तर प्रदेश, अमरोहा वरुण अग्रवाल ने बताया कि पैक्स कर्मचारियों द्वारा 22 अक्टूबर से की जा रही अनवरत हड़ताल/कार्य बहिष्कार, जो प्रदेश स्तर पर जारी था, को अधोहस्ताक्षरी एवं पैक्स कर्मचारियों के मध्य हुई सफल एवं सौहार्दपूर्ण वार्ता के उपरांत जनपद में समाप्त कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप 31 अक्टूबर के पूर्वाह्न से जनपद में संचालित सभी सहकारी समितियां खुल गई हैं। उन्होंने बताया कि किसान भाई रबी अभियान के अंतर्गत विभिन्न फसलों की बुवाई हेतु उर्वरक (यूरिया, डीएपी एवं एनपीके) अपनी मांग एवं जोत के आकार के अनुसार सहकारी समितियों के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

पेंशनरों की सुविधा के लिए 05 नवंबर को जनपद में आयोजित होंगे डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र के विशेष शिविर



अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन के मुख्य सचिव के निदेशों के अनुपालन में जनपद अमरोहा में 01 नवम्बर से 30 नवम्बर तक राष्ट्रीय डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र (DLC) अभियान-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत जिलाधिकारी अमरोहा द्वारा अनुमोदित कार्ययोजना के तहत कोषागार अमरोहा से पेंशन प्राप्त कर रहे लगभग 6 हजार पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों को डिजिटल माध्यम से आच्छादित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वरिष्ठ कोषाधिकारी एवं जनपद नोडल अधिकारी अशोक राव गौतम ने बताया कि 05 नवम्बर को कोषागार अमरोहा, जनपद की प्रमुख बैंक शाखाओं (भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा अमरोहा, धनौरा एवं हसनपुर), मुख्य डाकघर अमरोहा तथा जनसेवा केंद्रों (CSC) पर पेंशनरों की सुविधा के लिए विशेष डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में कोषागार एवं बैंक के कर्मचारियों द्वारा पेंशनरों को जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने की प्रक्रिया में प्रत्यक्ष सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पेंशनर अपने स्मार्टफोन के माध्यम से UMANG App, Jeevan Pramaan App एवं Aadhaar FaceRD App का उपयोग कर फेस ऑथेंटिकेशन (चेहरा दिखाकर) डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र जमा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त भारत सरकार के डाक विभाग एवं इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB) के माध्यम से पेंशनभोगियों को घर बैठे डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने की सुविधा भी उपलब्ध है। इस सुविधा का विशेष लाभ वरिष्ठ एवं अस्वस्थ पेंशनभोगियों को मिल सकता है, जिन्हें जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने के लिए बैंक अथवा कोषागार जाने में कठिनाई होती है। इसके लिए पेंशनर अपने क्षेत्र के पोस्टमैन अथवा ग्रामीण डाक सेवक (GDS) से संपर्क कर सकते हैं या निकटतम डाकघर में जाकर डोरस्टेप DLC सेवा का अनुरोध कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त IPPB हेल्पलाइन नंबर 155299 पर कॉल करके भी पोस्टमैन को घर बुलाने का अनुरोध किया जा सकता है। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने बताया कि पेंशनर किसी भी प्रकार की सहायता अथवा घर पर जीवन प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए कोषागार के हेल्पलाइन नंबर 8765923848 एवं 05922-252296 पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने जनपद के समस्त पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों से अपील की है कि वे 05 नवम्बर को आयोजित विशेष शिविरों का लाभ उठाएं अथवा घर बैठे फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक के माध्यम से अपना डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र समय से जमा कराएं।

जोया में अतिक्रमण पर चला प्रशासन का हंटर, दिल्ली रोड को कराया अतिक्रमण मुक्त





जोया/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा के कस्बा जोया में सोमवार को अतिक्रमण के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया गया। नगर पंचायत जोया व यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने दिल्ली रोड पर अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाकर सड़क किनारे हुए अतिक्रमण को हटवाया। अभियान के दौरान सड़क किनारे अवैध रूप से लगाए गए ठेले, खोखे, दुकानों के आगे रखे सामान और बोर्डों को हटाया गया। लंबे समय से अतिक्रमण के कारण दिल्ली रोड पर जाम की स्थिति बनी रहती थी, जिससे राहगीरों व वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।यातायात प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि अतिक्रमण के कारण यातायात बाधित हो रहा था, जिसकी लगातार शिकायतें मिल रही थीं। टीम ने दुकानदारों को सख्त चेतावनी दी है कि दोबारा अतिक्रमण करने पर जुमार्ना व कानूनी कार्रवाई की जाएगी।अभियान के बाद सड़क पर यातायात सुचारू रूप से चलता नजर आया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का स्वागत किया है।

दीपावली पर उज्ज्वला योजना की लाभार्थी महिलाओं को मिली मुफ्त गैस सिलेंडर रिफिल की सौगात





बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- दीपावली के अवसर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर रिफिल की सौगात दी गई। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन और जिला पूर्ति अधिकारी शिवी गर्ग की अध्यक्षता में सब्सिडी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक अजीत कुमार उर्फ राजू यादव और नगर पालिका परिषद बहजोई के अध्यक्ष राजेश शंकर उर्फ राजू ने लाभार्थियों को सब्सिडी के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इस दौरान लखनऊ स्थित लोक भवन में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों अधिकारियों और उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों ने कार्यक्रम को देखा और सुना।पूर्व विधायक अजीत कुमार उर्फ राजू यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से महिलाओं को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध हुआ है। इससे रसोई में खाना बनाने के दौरान धुएं से होने वाली परेशानियों से राहत मिली है और महिलाओं का जीवन पहले की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक हुआ है। नगर पालिका अध्यक्ष राजेश शंकर उर्फ राजू ने कहा कि महिलाओं का सशक्तीकरण सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के अवसर मिल रहे हैं। उज्ज्वला योजना ने महिलाओं को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है।जिला पूर्ति अधिकारी शिवी गर्ग ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के प्रत्येक पात्र लाभार्थी को दीपावली के अवसर पर एक निशुल्क एलपीजी सिलेंडर रिफिल की सुविधा दी जा रही है। इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से 322 रुपये और राज्य सरकार की ओर से 645 रुपये की सब्सिडी दी जा रही है।
कार्यक्रम के अंत में लाभार्थियों को सब्सिडी के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए गए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के नोडल अधिकारी प्रतीक उपाध्याय सहित गैस वितरक संबंधित अधिकारी कर्मचारी और योजना के लाभार्थी मौजूद रहे।

धनौरा सीएचसी परिसर में अस्पताल के स्टाफ ने समाज को तंबाकू मुक्त बनाने का लिया संकल्प



धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को 'तंबाकू अभियान 4.0' के तहत अस्पताल के समस्त स्टाफ एवं अधिकारियों ने समाज एवं समाज के आम नागरिकों को तंबाकू मुक्त बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान कार्यक्रम में शामिल स्टाफ के लोगों ने संकल्प लिया कि वह मरीजों एवं नागरिकों को तंबाकू से होने वाली हनियों के प्रति जागरूक करेंगे। बता दें कि कार्यक्रम की शुरूआत में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राहुल कुमार ने तंबाकू के सेवन से होने वाले नुकसान बताए। उन्होंने कहा कि तंबाकू और उसके उत्पाद कैंसर जैसी बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इससे पूरा परिवार मानसिक और आर्थिक रूप से प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों की जिम्मेदारी है कि वे समाज के सामने मिसाल पेश करें।चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राहुल कुमार, डॉ. मनदीप कुमार और डॉ. कुलदीप शर्मा ने सभी को शपथ दिलाई। अधिकारियों और कर्मचारियों ने तंबाकू उत्पादों से दूर रहने और अस्पताल आने वाले मरीजों व आम लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया।शपथ लेने वालों में बीपीएम अभिषेक वर्मा, काउंसलर सुनील कुमार, मनवीर सिंह, प्रशांत कुमार, डॉ. परवेज सैफी, संदीप कुमार, मोहित विश्नोई, कृष्ण कुमार वर्मा, हिमाचल कुमार, राजवीर सिंह, विनोद जाटव, शैली यादव और मुस्कान कटियार, शामिल रहे।
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का बाकी स्टाफ भी मौजूद रहा।स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य लोगों को तंबाकू के नुकसान के प्रति जागरूक करना और युवाओं को नशे से बचाना है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने तंबाकू मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया।

यातायात माह में पुलिस की पहल, विद्यार्थियों को बताए सुरक्षा के उपाय





चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात के मार्गदर्शन में यातायात माह के अंतर्गत चंदौसी के राजेश कुमार सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज और ओपीजीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना रहा। अभियान के दौरान प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह, मुख्य आरक्षी सचिन कुमार तथा पुलिसकर्मी सन्नी और विकास ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए और न ही तेज गति से वाहन चलाना चाहिए। इसके अलावा नशे की हालत में या नींद आने पर वाहन चलाने से बचना चाहिए। मुख्य आरक्षी सचिन कुमार ने विद्यार्थियों को सड़क संकेतों, ट्रैफिक सिग्नल और राहवीर योजना के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बच्चों के सवालों के जवाब देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। पुलिसकर्मियों ने कहा कि यदि विद्यार्थी स्वयं यातायात नियमों का पालन करेंगे और अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी जागरूक करेंगे, तो सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह ने बताया कि यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाने में सहयोग करने की अपील की।

हरियाणा के फरीदाबाद में 1.4 करोड़ की डकैती के मामले में गजरौला क्षेत्र पुलिस की संयुक्त छापेमारी





गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला क्षेत्र में हरियाणा के फरीदाबाद में हुई 1.4 करोड़ की डकैती के मामले में हरियाणा पुलिस एवं गजरौला पुलिस ने क्षेत्र में संयुक्त छापेमारी के दौरान कुछ आरोपियों को दबोच लिया और जिन्हें हरियाणा पुलिस अपने साथ ले गयी। बता दें कि हरियाणा के फरीदाबाद के फतेहपुर तगा गांव में पूर्व सरपंच अब्दुल कदीम के घर 25-26 सितंबर की रात बंधक बनाकर 1 करोड़ 4 लाख रुपए की डकैती हुई थी। आरोपियों की तलाश में हरियाणा पुलिस बीती रात अमरोहा के गजरौला थाने पहुंची।पुलिस ने स्थानीय पुलिस से संपर्क किया और गंगा किनारे बसे गांवों में दबिश दी। चर्चा है कि हरियाणा पुलिस कुछ आरोपियों को अपने साथ ले गई है।इस मामले में हरियाणा पुलिस ने घटना के बाद चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनमें एक आरोपी फरीदाबाद का था, जबकि तीन अमरोहा के थे।अमरोहा के आरोपियों की पहचान मिठ्ठेपुर गांव के हैदर अली उर्फ इमामुद्दीन, डिडौली गांव के मोहम्मद आरिफ और फतेहपुर माफी गांव के मोसीब आलम के रूप में हुई थी।हरियाणा पुलिस के मुताबिक, डकैती की साजिश में शामिल पड़ोसी साहुन खान अमरोहा के गजरौला थाना क्षेत्र के पपसरा खादर गांव के लियाकत के संपर्क में था। साहुन ने घटना को अंजाम देने के लिए लियाकत से संपर्क किया था। लियाकत फिलहाल जेल में बंद है।मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में हरियाणा पुलिस दो गाड़ियों से अमरोहा पहुंची और रात में कई जगह दबिश दी। कुछ आरोपियों को साथ ले जाने की चर्चा भी सामने आई है।

मकान के बाहर बिजली पोल लगाने को लेकर विवाद, पीड़ित ने डीएम से लगाई न्याय की गुहार

सामने खाली जगह होने के बावजूद घर के बाहर पोल लगाने का आरोप, तीन बार शिकायत के बाद भी कार्रवाई न होने का दावा



फतेहपुर (सब का सपना):- थरियांव थाना क्षेत्र के हसवा कस्बे में मकान के बाहर बिजली का पोल लगाए जाने को लेकर विवाद गहरा गया है। इस मामले में पीड़ित मो. शब्बीर ने जिलाधिकारी को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है।जिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में मो. शब्बीर ने बताया कि बारिश के दौरान उनका पुराना मकान ढह गया था, जिसके बाद वह अब नए मकान का निर्माण करा रहे हैं। आरोप है कि इसी बीच पड़ोसी इदरीश, मुजीब उर्फ मोनू, महबूब तथा ग्राम प्रधान मो. राशिद उर्फ बबलू की ओर से उनके मकान के ठीक बाहर जबरन बिजली का पोल लगवाया जा रहा है। जबकि पोल लगाने के लिए सामने पर्याप्त खाली जगह उपलब्ध है।पीड़ित का आरोप है कि इस संबंध में वह अब तक तीन बार प्रार्थना पत्र दे चुके हैं, लेकिन उनकी शिकायत पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मकान का लिंटर डलवाने पर उन्हें पुलिस द्वारा फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी जा रही है। इससे वह और उनका परिवार परेशान है। मो. शब्बीर ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, बिजली पोल लगाने के स्थान का उचित निर्धारण कराने तथा उन्हें अनावश्यक उत्पीड़न से राहत दिलाने की मांग की है।

जनकल्याणकारी योजनाओं का पात्र लोगों तक लाभ पहुंचाएं अधिकारी: गुलाब देवी





बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में मंगलवार को माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गुलाब देवी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय विकास कार्य अनुश्रवण समिति दृष्टि की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में संचालित विभिन्न विकासपरक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार कराया जाए ताकि पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंच सके। बैठक में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना छात्रवृत्ति शुल्क प्रतिपूर्ति योजना मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान वृद्धावस्था पेंशन राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण कृषि विभाग की योजनाओं और स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न विभागों की प्रगति पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने संबंधित योजनाओं के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों और अब तक हुई प्रगति की जानकारी दी। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में निर्धारित 6600 के भौतिक लक्ष्य के सापेक्ष 6394 की पूर्ति की जा चुकी है। वहीं उद्योग विभाग की योजनाओं के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत जनपद में तीन स्थानों पर विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। चार नवंबर को बगीचा गार्डन बबराला में गुन्नौर जुनावई और रजपुरा क्षेत्र के लाभार्थियों के विवाह होंगे। छह नवंबर को बड़ा मैदान बहजोई में बनियाखेड़ा बहजोई और पवांसा क्षेत्र के लाभार्थियों के विवाह आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा 16 नवंबर को ए के रिसोर्ट कुरकावली सम्भल में सम्भल और असमोली क्षेत्र के लाभार्थियों के सामूहिक विवाह संपन्न कराए जाएंगे। मंत्री ने निर्देश दिए कि सामूहिक विवाह कार्यक्रमों की तिथियां पहले से घोषित की जाएं ताकि पात्र लोग समय रहते आवेदन कर सकें। बैठक में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत संचालित केंद्रों की समीक्षा भी की गई। सम्भल विधायक इकबाल महमूद ने राजकीय डिग्री कॉलेज सम्भल में भी योजना का केंद्र स्थापित कराने का सुझाव दिया ताकि अधिक से अधिक युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का अवसर मिल सके। उन्होंने बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षा केंद्रों की दूरी कम रखने पर भी जोर दिया जिससे छात्र छात्राओं को परीक्षा देने पहुंचने में परेशानी न हो। गुन्नौर विधायक राम खिलाड़ी सिंह यादव ने शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कराने की आवश्यकता जताई। उन्होंने गुन्नौर क्षेत्र में हेपेटाइटिस बी और सी की दवाइयां उपलब्ध कराने का मुद्दा उठाया। इस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक ने बताया कि गुन्नौर और जुनावई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर हेपेटाइटिस की दवाइयों की उपलब्धता शुरू कर दी गई है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जनपद में 11 प्रशिक्षण प्रदाता और 17 प्रशिक्षण केंद्र संचालित हैं। इनमें 1571 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। प्रोजेक्ट प्रवीण योजना के तहत 10 माध्यमिक विद्यालयों के लिए 1313 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है और विद्यार्थियों के पंजीकरण की प्रक्रिया चल रही है। मंत्री गुलाब देवी ने बोर्ड परीक्षाओं के केंद्र निर्धारण में निर्धारित मानकों का पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्र ऐसे विद्यालयों में बनाए जाएं जो निर्धारित मानकों को पूरा करते हों। केंद्रों के निर्धारण में विद्यार्थियों की सुविधा और परीक्षा की सुचारु व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही जनप्रतिनिधियों की ओर से उठाए गए प्रकरणों और सुझावों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने मंत्री और जनप्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए निदेशों का गंभीरता से पालन कराया जाएगा। बैठक के अंत में मंत्री गुलाब देवी सहित जनप्रतिनिधियों को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के निमंत्रण पत्र भी वितरित किए गए। बैठक में सम्भल विधायक इकबाल महमूद गुन्नौर विधायक राम खिलाड़ी सिंह यादव बिलारी विधायक मोहम्मद फहीम इरफान सहित अन्य जनप्रतिनिधि और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राज्यमंत्री कृष्णा पासवान ने दो विकास कार्यों का किया भूमि पूजन, 1.45 करोड़ रुपये से होगा निर्माण

सिलमी में नहर कोठी और दरियामऊ में निरीक्षण भवन का होगा कायाकल्प, क्षेत्रीय लोगों की मौजूदगी में हुआ पूजन



फतेहपुर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार की राज्यमंत्री कृष्णा पासवान ने मंगलवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के सिलमी गांव में सिंचाई विभाग की ओर से प्रस्तावित विकास कार्यों का विधि-विधान से भूमि पूजन किया। इन परियोजनाओं पर करीब 1 करोड़ 45 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। निर्माण कार्यों के पूरा होने से क्षेत्र में सिंचाई विभाग की सुविधाओं और आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलने की उम्मीद है।भूमि पूजन के दौरान राज्यमंत्री ने सिलमी में नहर कोठी एवं बाउंड्रीवॉल निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस परियोजना की अनुमानित लागत 45.32 लाख रुपये निर्धारित की गई है। इसके साथ ही दरियामऊ में निरीक्षण भवन के पुनरुद्धार और बाउंड्रीवॉल निर्माण कार्य का भी भूमि पूजन किया गया, जिस पर 99.78 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

दोनों परियोजनाओं का भूमि पूजन पूजा-अर्चना के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर भाजपा खखरेरू मंडल अध्यक्ष गया पाल, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष रणदीप सिंह, भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता बबलू सिंह, सुदेश प्रधान सहित क्षेत्र के तमाम गणमान्य लोग, भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

पुलिस का मिशन शक्ति अभियान जारी, महिलाओं को बताए सुरक्षा के उपाय





संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के अंतर्गत मंगलवार को जनपद संभल में जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में मिशन शक्ति केंद्रों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों ने थाना क्षेत्रों में चौपाल लगाकर बालिकाओं और महिलाओं को जागरूक किया। अभियान के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं एवं बालिकाओं से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा महिला संबंधी समस्याओं के निस्तारण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर बिना झिझक पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। मिशन शक्ति अभियान के तहत जनपद की एंटी रोमियो टीम ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर भी जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने पंपलेट वितरित कर शासन एवं पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और स्वावलंबन के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी। महिला पुलिसकर्मियों ने वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, महिला हेल्पलाइन 181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102 और एंबुलेंस सेवा 108 के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही मोबाइल में उपलब्ध पैनिक बटन और आपातकालीन सहायता प्राप्त करने के तरीकों की जानकारी भी दी गई। पुलिस ने महिलाओं एवं बालिकाओं से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की समस्या होने पर चुप न रहें और उपलब्ध हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग कर सहायता प्राप्त करें। मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं को जागरूक करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जनपद में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

फतेहपुर में खोए मोबाइल मिले, चेहरे पर लौटी खुशी





फतेहपुर (सब का सपना):- रिजर्व पुलिस लाइन के सम्मेलन कक्ष में सोमवार को प्रेस वार्ता कर पुलिस अधीक्षक श्री अभिमन्यु मांगलिक ने खोए हुए मोबाइल उनके मालिकों को सौंपे। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत CEIR पोर्टल पर प्राप्त जानकारी के आधार पर जनपदीय CCTS टीम व समस्त थानों की टीमों ने कुल 103 मल्टीमीडिया मोबाइल फोन, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 16 लाख रुपये है, बरामद किए हैं। एसपी ने बताया कि फतेहपुर पुलिस की मुहिम रहती है कि हर महीने और विशेषकर त्योहारों से पहले नागरिकों के खोए मोबाइल वापस पहुंचाए जाएं। इसी क्रम में विभिन्न थानों द्वारा उएक्स पोर्टल के माध्यम से बरामद मोबाइल आज उनके स्वामियों को हैंडओवर किए गए। पिछले माह के 132 मोबाइल में से भी 6 मोबाइल उनके मालिकों ने प्राप्त किए, शेष 126 मोबाइल जो किसी कारणवश नहीं ले जा पा रहे हैं, उन्हें पुलिस घर जाकर डिलीवर करने का अभियान चलाएगी। एसपी ने कहा कि ज्यादातर मोबाइल गिरने/खोने की सूचना पर मिले हैं। यदि चोरी या स्नैचिंग का एंगल सामने आता है तो गैंग पर भी कार्रवाई की जाती है। मोबाइल पाकर लाभार्थियों ने फतेहपुर पुलिस का आभार व्यक्त किया।

गढ़मुक्तेश्वर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह, 162 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में





हापुड़ (सब का सपना):- जनपद के तहसील गढ़मुक्तेश्वर के होटल ली पैलेस में समाज कल्याण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, विधायक गढ़ हरेंद्र सिंह तेवतिया, जिलाधिकारी कविता मीणा व मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर किया। समारोह में जनपद के कुल 162 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ, जिसमें हिंदू व मुस्लिम दोनों समुदाय के जोड़े शामिल रहे। सभी नवविवाहितों को सरकार द्वारा निर्धारित अनुदान राशि, गृहस्थी का सामान व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। जिलाधिकारी ने अपील की कि जिन जोड़ों की वोटर आईडी नहीं बनी है, वे अवश्य बनवाएं। इसके लिए स्थल पर इछड तैनात किए गए थे, जिन्होंने मौके पर फॉर्म भरवाए। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख, खंड विकास अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

पत्रकारों पर अभद्र टिप्पणी करने वाले आरोपी पर कार्रवाई की मांग को लेकर पत्रकार संगठनों ने एसपी को सौंपा ज्ञापन



फतेहपुर (सब का सपना):- पत्रकारों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी के मामले में पुलिस कार्रवाई में देरी को लेकर विभिन्न पत्रकार संगठनों ने नाराजगी जताई है। मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन, साइबर जर्नलिस्ट एसोसिएशन और भारतीय पत्रकार जन समिति के पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक को प्रार्थना पत्र सौंपकर आरोपी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, पत्रकारों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में संदीप पटेल के विरुद्ध थाना कोतवाली फतेहपुर में 27 अक्टूबर को मुकदमा अपराध संख्या 0524 विभिन्न धाराओं में दर्ज किया गया था। संगठनों का आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद अब तक मामले में अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई है। मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजेश त्रिवेदी और जिलाध्यक्ष रवि कश्यप के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एसपी से मुलाकात की। इस दौरान भारतीय पत्रकार जन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश सहगल व प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र अवस्थी भी मौजूद रहे। साइबर जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव शीबू खान ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं, उनके सम्मान और सुरक्षा से समझौता नहीं होना चाहिए। पुलिस को ऐसे मामलों में त्वरित व निष्पक्ष कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं प्रदेश अध्यक्ष शहंशाह अब्दी ने कहा कि मुकदमा दर्ज होने के बाद भी देरी से पत्रकारों में असंतोष है। इस मौके पर कई पत्रकार बंधु मौजूद रहे।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की जनपद स्तरीय प्रतियोगिता संपन्न, बाल वैज्ञानिकों ने दिखाया नवाचार



फतेहपुर (सब का सपना):- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की 32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस-2026 की जनपद स्तरीय प्रतियोगिता चिल्ड्रन पब्लिक स्कूल में आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार एवं विशिष्ट अतिथि राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य राजेश कुमार यादव व जयपुरिया स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. जीपी मिश्र ने सरस्वती माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि यह मंच बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से आसपास की समस्याओं के समाधान हेतु नवाचार करने का आह्वान किया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के लगभग 100 प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए गए। इस वर्ष की थीम "सतत विकास के लिए विज्ञान एवं नवाचार" रही, जिस पर विद्यार्थियों ने स्थानीय समस्याओं पर आधारित शोध परियोजनाएं, पोस्टर और चार्ट प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल ने बारीकी से मूल्यांकन कर 4 उत्कृष्ट टीमों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया। सभी प्रतिभागी बच्चों को बाल वैज्ञानिक सम्मान पत्र और मार्गदर्शक शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन जिला समन्वयक डॉ. अमृता द्विवेदी, सह समन्वयक अतुल यादव, एसआरजी राधेश्याम दीक्षित एवं जिला अकादमिक समन्वयक डॉ. मधुलिका श्रीवास्तव द्वारा किया गया। संचालन राधेश्याम दीक्षित ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अमृता द्विवेदी ने दिया।

फतेहपुर में गाजीपुर पुलिस की कार्रवाई, एक वारंटी गिरफ्तार



फतेहपुर (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में चलाए जा रहे वांछित/वारंटी गिरफ्तारी अभियान के तहत थाना गाजीपुर पुलिस को सफलता मिली है। थाना गाजीपुर पुलिस ने मंगलवार को थाना स्थानीय पर पंजीकृत केस नं0 7153/25 व मु0अ0सं0 76/2025 धारा 115(2), 352, 351(2) BNS से संबंधित 01 वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त संतोष कुमार पुत्र स्व0 सूरज बली, उम्र 55 वर्ष, निवासी ग्राम बहादुरपुर, थाना गाजीपुर, जनपद फतेहपुर का रहने वाला है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उ0नि0 कमलेश कुमार सिंह व आरक्षी महेश शाहनी शामिल रहे।

नगीना रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन में चढ़ने के प्रयास में फादर के दोनों पैर कटे, जिला अस्पताल रेफर

आधे घंटे तक दर्द से कराहता रहा घायल, जीआरपी-आरपीएफ पर समय पर मदद न करने का आरोप, 112 पुलिस बनी मददगार



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगीना रेलवे स्टेशन पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। चलती ट्रेन में चढ़ने के प्रयास में बरेली के सेंट मैरी स्कूल के फादर ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे में उनके दोनों पैर बुरी तरह कट गए। गंभीर हालत में उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार तमिलनाडु निवासी 46 वर्षीय रोबिन पुत्र एंथोनी बरेली के एसआरएमएस सेंट मैरी स्कूल में फादर के पद पर तैनात हैं। वह सोमवार की मध्यरात्रि अपने साथी फादर अंशु के साथ ट्रेन संख्या 13009 से बिजनौर के सेंट मैरी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। उन्हें नजीबाबाद रेलवे स्टेशन पर उतरना था, लेकिन गलतफहमी के चलते वह नगीना स्टेशन पर उतर गए। बताया जा रहा है कि साथी फादर अंशु ने उन्हें आवाज देकर वापस ट्रेन में चढ़ने को कहा, तब तक ट्रेन चलने लगी थी। चलती ट्रेन में चढ़ने के प्रयास में उनका पैर पायदान से फिसल गया और वह ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे में उनका दाहिना पैर घुटने के पास से कटकर अलग हो गया, जबकि बाएं पैर का पंजा और पिंडली का हिस्सा कट गया।हादसे के बाद स्टेशन पर चीख-पुकार मच गई। मॉर्निंग वॉक पर निकले लोग मौके पर पहुंचे। आरोप है कि लोगों ने जीआरपी चौकी और आरपीएफ को कई बार सूचना दी, लेकिन करीब आधे घंटे तक कोई जवान मौके पर नहीं पहुंचा। रेलवे स्टाफ पर भी मदद के लिए न आने का आरोप है। इस दौरान घायल दर्द से कराहते हुए मदद की गुहार लगाते रहे।

बाद में लोगों ने 112 पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची 112 टीम ने स्थानीय लोगों और समाजसेवी व वरिष्ठ पत्रकार मनोज वाल्मीकि की मदद से घायल को सीएचसी नगीना पहुंचाया। सीएचसी प्रभारी डॉ. विशाल दिवाकर ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सूचना पर साथी फादर अंशु भी अस्पताल पहुंच गए। समाजसेवी मनोज वाल्मीकि ने बताया कि मौके पर मौजूद कुछ लोग मदद करने के बजाय मोबाइल से वीडियो-फोटो बनाते रहे, जो मानवीय संवेदनाओं के लिए शर्मनाक है। घटना ने रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा और आपात स्थिति में त्वरित सहायता व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सतीश कुमार प्रजापति को भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर दी बधाई



बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष सतीश कुमार प्रजापति का कुम्हार विकास मंच ने उनके आवास पर पहुंचकर स्वागत किया और सतीश कुमार प्रजापति को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की गई। कुम्हार विकास मंच के मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष ओमपाल सिंह प्रजापति एवं जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार प्रजापति ने कहा कि सतीश कुमार प्रजापति को भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा का जिला जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलना उनके कार्यों और पार्टी के प्रति समर्पित रहने का सम्मान है। सतीश कुमार प्रजापति अपनी नई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करते हुए संगठन को मजबूत करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। इस अवसर पर सतीश कुमार प्रजापति ने कहा कि पार्टी ने जो मुझे जिम्मेदारी दी है मैं उसका निष्ठा पूर्वक निर्वाहन करूंगा। और पार्टी की नीतियों सिद्धांतों और कार्यक्रमों का प्रचार प्रसार करते हुए पिछड़ा समाज को पार्टी से जोड़ने का काम करूंगा। इस अवसर पर कुम्हार विकास मंच के जिला उपाध्यक्ष राजपाल सिंह प्रजापति, जिला महामंत्री डॉ ओम प्रकाश सिंह, जिला महामंत्री डॉ गजेंद्र सिंह प्रजापति, नरेश कुमार, रामगोपाल सिंह आदि ने गले में फूल माला पहन कर स्वागत किया।

महाराजा अजमीढ़ जी महाराज की निकाली शोभायात्रा



नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर में महाराजा अजमीढ़ जी की भव्य शोभायात्रा हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ निकाली गई।प्राप्त समाचार के अनुसार मंगलवार को आयोजित शोभायात्रा में मैढ़ क्षत्रिय सोनार समाज के लोगों के साथ-साथ नगर के गणमान्य व्यक्तियों और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा में भगवान के विभिन्न स्वरूपों की मनमोहक एवं आकर्षक झांकियां शामिल रहीं। इसके अलावा शानदार बैंड की मधुर धुनों ने शोभायात्रा की भव्यता में चार चांद लगा दिए। मनोरंजन के लिए गोरिल्ला का रूप धारण किए कलाकार भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे। शोभायात्रा आर्य समाज मंदिर से शुरू होकर सुनारो वाली गली, पंचायती मंदिर, सराय जोखा सिंह, धर्मशाला, होलियान से होती हुई आर्य समाज मंदिर पर जाकर सम्पन्न हुई। शोभायात्रा का नगर में जगह-जगह श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों द्वारा स्वागत किया गया। शोभायात्रा में अध्यक्ष विपिन वर्मा कोषाध्यक्ष विनिल वर्मा, माणिक वर्मा, इंद्रदेव वर्मा, हरिओम वर्मा, कमल वर्मा, कमलकांत वर्मा, राजकुमार वर्मा, अतुल वर्मा, अंकुर वर्मा, विशाल वर्मा, दीपक वर्मा, मुकेश वर्मा नितिन वर्मा मनोज वर्मा, कन्हैया वर्मा आदि मैढ़ समाज के लोग मौजूद रहे।

सेंट मेरीज स्कूल में 12वें इंटर स्कूल सांस्कृतिक एवं साहित्यिक समारोह का भव्य शुभारंभ





बिजनौर (सब का सपना):- सेंट मेरीज स्कूल, बिजनौर में मंगलवार, 03 नवंबर को 12वें इंटर स्कूल सांस्कृतिक एवं साहित्यिक समारोह का भव्य शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस समारोह में उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के 31 विद्यालयों के 1083 प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए जुटे हैं। समारोह के अंतर्गत नृत्य, संगीत, नुक्कड़ नाटक, साहित्यिक एवं वक्तृत्व कला, चित्रकला सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि संगीता सिंह, आई.ए.एस., मंडलायुक्त, मुरादाबाद मंडल तथा विशिष्ट अतिथि उमेश प्रताप सिंह, आई.ए.एस., जिलाधिकारी, बिजनौर के साथ बिजनौर डायोसिस शिक्षा समिति के अध्यक्ष बिशप विंसेंट नेल्लैपरम्बिल, सचिव फादर जोमी जोस, समारोह संयोजक फादर जिंटो, विद्यालय प्रबंधक फादर बाबू जॉर्ज एवं प्रधानाचार्या सिस्टर लिन्सी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। प्रतियोगिताओं में भाग लेने आए विद्यार्थियों के ठहरने की व्यवस्था भी विद्यालय परिसर में की गई है। प्रधानाचार्या सिस्टर लिन्सी ने बताया कि 03 से 05 नवंबर तक चलने वाले इस समारोह में प्रतिदिन सुबह 7 बजे से रात 10 बजे तक विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। विद्यालय प्रबंधक फादर बाबू जॉर्ज एवं अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए इस आयोजन की सराहना की। मुख्य अतिथि संगीता सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का विकास, आत्मिक उन्नति एवं नैतिक मूल्यों का निर्माण करना है।विद्यालय प्रवक्ता आदित्य खन्ना ने सूचित किया कि समारोह के अवसर पर बिजनौर डायोसिस शिक्षा समिति द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2026-27 की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सात मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समिति की ओर से प्रत्येक विद्यार्थी को ड्ढ10,000 की नकद पुरस्कार राशि एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों में आई.सी.एस.ई. बोर्ड से सेंट मेरीज स्कूल, बिजनौर के ध्रुव चहल (98.20%) तथा सेंट टेरेसा कॉन्वेंट स्कूल, श्रीनगर की नैसा घिल्डियाल (98.20%) शामिल रहे। आई.एस.सी. बोर्ड के साइंस वर्ग में सेंट मेरीज स्कूल, बिजनौर की ख्याति गर्ग (99.25%) तथा कॉमर्स वर्ग में सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल, कोटद्वार के माधव भाटिया (96.50%) को भी यह पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी क्रम में यू.पी. बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा में सेंट मेरीज इंटर कॉलेज, मंडावली की नेहा रावी (92.83%) तथा इंटरमीडिएट परीक्षा में इसी विद्यालय की अलीना खातून (87.20%) एवं सिमरन अंसारी (87.20%) को 10,000 की नकद पुरस्कार राशि एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, आई.एस.सी. बोर्ड की साइंस वर्ग की मेधावी छात्रा ख्याति गर्ग को उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए फादर मैथ्यू परक्कल अवार्ड प्रदान कर सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त बिशप जॉन वडक्कल, प्रोविंशियल सुपीरियर फादर बीजू वडक्कल एवं फादर फ्रांसिस सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

किसान मोर्चा की हुंकार, गांव-गांव पहुंचेगी सरकार की योजनाएं, बूथ स्तर पर मजबूत होगा संगठन



बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा जिला बिजनौर की नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी की परिचयात्मक एवं रणनीतिक बैठक सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय पर गरिमामय माहौल में संपन्न हुई। बैठक में नवनियुक्त पदाधिकारियों का परिचय कराकर संगठन की आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से मंथन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नोनिहाल सिंह मौजूद रहे। उन्होंने कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि किसान मोर्चा पार्टी का सबसे महत्वपूर्ण अंग है और किसानों तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाने में इसकी अहम भूमिका है। इस अवसर पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष खेल सिंह, क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार चौहान एवं अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश मंत्री सुधीर भुइयार ने भी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। बैठक की अध्यक्षता कर रहे किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष सुधीन्द्र चौधरी ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों की प्रगति के लिए पूरी तरह समर्पित है। सरकार द्वारा अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन जागरूकता की कमी से कई पात्र किसान वंचित रह जाते हैं। किसान मोर्चा का एक-एक कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर किसानों को योजनाओं की जानकारी देगा और उन्हें लाभ दिलाएगा। जिलाध्यक्ष ने आगामी विधानसभा चुनाव 2027 के दृष्टिगत संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का खाका पेश किया। उन्होंने कहा कि इसके लिए निरंतर किसान संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और हर गांव में किसान मोर्चा को सक्रिय किया जाएगा। बैठक में जिला कार्यकारिणी के सभी नवनियुक्त पदाधिकारी व वरिष्ठ कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

साधुवेशधारी दो आरोपी 11,500 रुपये के साथ गिरफ्तार

कपड़ा व्यापारी से ठगी के मामले में पुलिस की कार्रवाई, बताई गई रकम को लेकर उठे सवाल



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगर में साधुवेश धारण कर कपड़ा व्यापारी से कथित तौर पर छलपूर्वक रुपये ऐंठने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 11 हजार 500 रुपये बरामद करने का दावा किया है। मंगलवार को दोनों आरोपियों का संबंधित धाराओं में चालान कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, नगर के मोहल्ला मानकचंद निवासी कपड़ा व्यापारी राजेश टंडन पुत्र ओमप्रकाश टंडन ने 2 नवंबर 2026 को पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि दो अज्ञात व्यक्ति साधु का वेश धारण कर उसकी दुकान पर आए और छलपूर्वक 11 हजार 500 रुपये लेकर चले गए। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जशनाथ पुत्र कुलदीप नाथ निवासी मोहल्ला जोगी मांदा, कस्बा व थाना धर्मकोट, जनपद मोगा (पंजाब) तथा सेवानाथ पुत्र सुरेश नाथ निवासी ग्राम लोहागढ़, थाना धर्मकोट, जनपद मोगा (पंजाब) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों के पास से 11 हजार 500 रुपये बरामद हुए हैं।वहीं, मामले में व्यापारी द्वारा बताई गई रकम को लेकर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। बताया जाता है कि घटना के बाद कपड़ा व्यापारी राजेश टंडन ने मीडिया कर्मियों को पहले ढाई लाख रुपये और बाद में डेढ़ लाख रुपये की ठगी होने की बात बताई थी, जबकि पुलिस की ओर से जारी प्रेस नोट में केवल 11 हजार 500 रुपये की ठगी और इतनी ही रकम बरामद होने का उल्लेख किया गया है। ऐसे में व्यापारी द्वारा बताई गई रकम और पुलिस के रिकॉर्ड में दर्ज रकम के बीच अंतर चर्चा का विषय बना हुआ है। आखिर घटना में वास्तविक रूप से कितनी रकम गई थी और अलग-अलग रकम बताए जाने की वजह क्या है, यह स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। मामले की वास्तविकता पुलिस की जांच और संबंधित तथ्यों से ही स्पष्ट हो सकेगी।

नेपाली व्यक्ति को हाईवे पर धक्का देकर 1.55 लाख की लूट, तीन आरोपी गिरफ्तार



नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- नेपाल के एक व्यक्ति की हत्या कर 1.55 लाख रुपए लूटने वाले तीन शातिर आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया था। आरोपियों ने कोटद्वार में मुलाकात के बाद मृतक अशांक बहादुर शाही के पास नकदी होने की बात जानी। इसके बाद उन्होंने नजीबाबाद में हाईवे पर उसे एक अज्ञात वाहन के सामने धक्का देकर मौत के घाट उतार दिया और 1.55 लाख रुपए से भरा बैग लेकर फरार हो गए। मृतक के बेटे की शिकायत पर पुलिस ने सीसीटीवी और सर्विलांस की मदद से तेजी से कार्रवाई करते हुए नैनीताल निवासी शेरबहादुर, और नेपाल निवासी कमल सिंह व करण बहादुर शाही को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 75 हजार रुपए नकद बरामद कर लिए हैं और उन्हें जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। एसपी केके बिश्नोई ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस सनसनीखेज मामले का खुलासा किया है।

फर्जी धर्मकांटा पर्चियों से 50 टन गेहूं का गबन, 13 लाख की धोखाधड़ी में दो गिरफ्तार

फर्जी गेट पास बनाकर अभिलेखों में दिखाई गेहूं की आपूर्ति, कोतवाली पुलिस ने दोनों आरोपियों को भेजा न्यायालय



फतेहपुर (सब का सपना):- फर्जी धर्मकांटा पर्चियां और गेट पास तैयार कर करीब 50 टन गेहूं का गबन करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गबन किए गए गेहूं की कीमत करीब 13 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है।पुलिस के अनुसार, रायबरेली स्थित कुशाग्र चावल उद्योग के मैनेजर अमित कुमार अग्रवाल ने कोतवाली में शिकायती तहरीर देकर आरोप लगाया था कि न्यू लकी धर्मकांटा, भिटौरा बाईपास फतेहपुर के संचालक मोहम्मद याशिब और फर्म के कर्मचारी राघवेंद्र मिश्रा ने आपस में षड्यंत्र कर गेहूं गबन की घटना को अंजाम दिया। आरोप है कि दो मई 2026 को बिना वास्तविक वाहनों की तौल किए फर्जी धर्मकांटा पर्चियां तैयार की गईं। इसके आधार पर फर्म के नाम से फर्जी एसडीआर और गेट पास बनाकर 50,085 किलोग्राम गेहूं की प्राप्ति अभिलेखों में दर्ज कर दी गई, जबकि वास्तव में गेहूं का गबन कर लिया गया। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया कि गेहूं वापस मांगने पर धर्मकांटा संचालक ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी।मामले में कोतवाली पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 0283/2026 के तहत बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में चल रही विवेचना के दौरान मंगलवार, तीन नवंबर को कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद यासीर उर्फ याशिब पुत्र मोहम्मद मुनीर निवासी खलीलनगर, थाना कोतवाली नगर फतेहपुर तथा इब्राहिम उर्फ मुन्ना पुत्र स्वर्गीय मून बेग निवासी परशुरामपुर फखरपुर, थाना फखरपुर जनपद बहराइच शामिल हैं। इब्राहिम वर्तमान में न्यू लकी धर्मकांटा, भिटौरा बाईपास पर रह रहा था। दोनों आरोपियों को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक हेमंत कुमार मिश्र, उपनिरीक्षक आदर्श सिंह और कांस्टेबल बबलू शामिल रहे।

भ्रष्टाचार का भंडाफोड़ करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्री ही बन रही अधिकारियों की प्रताड़ना का शिकार



फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद में आंगनबाड़ी विभाग में भ्रष्टाचार का खुलासा करने वाली महिला को ही अब विभागीय अधिकारी मिलकर प्रताड़ित कर रहे हैं। मामला विकास खंड बहुआ के कठवारा द्वितीय केंद्र का है। जंहा आज कार्यकत्री पीड़िता ने उ्च की चौखट पहुंच न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता उषा देवी पत्नी दुर्गा प्रसाद, ग्राम कठवारा पोस्ट गाजीपुर ने जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि मुख्य सेविका श्रीमती शारदा वर्मा द्वारा पोषाहार वितरण के नाम पर 1500 रुपये प्रतिमाह और एन0पी0आर0 रिपोर्ट के 100 रुपये की अवैध वसूली की जाती है। निरीक्षण के नाम पर 2000 से 5000 रुपये मांगे जाते हैं, न देने पर गाली-गलौज और नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। 19 जनवरी 2026 को शारदा वर्मा द्वारा 5000 रुपये लेते हुए का वीडियो क्लिप डीएम कार्यालय में दिया था। तत्कालीन जिलाधिकारी के निर्देश पर विभागीय व विजिलेंस जांच हुई, शिकायत सही पाई गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी के निर्देश पर थाना गाजीपुर में ऋ्रक्रफ दर्ज हुई और निदेशालय के आदेश संख्या-सी/4292 20 जनवरी 2026 द्वारा शारदा वर्मा को निलंबित कर जनपद अलीगढ़ से संबद्ध किया गया। आरोप है कि शारदा वर्मा ने हाईकोर्ट इलाहाबाद से स्थगन आदेश प्राप्त कर बहुआ में पुनः योगदान का आदेश करा लिया है। इसके बाद से बाल विकास परियोजना अधिकारी बहुआ श्री कृष्ण चन्द्र द्वारा उषा देवी पर बयान बदलने का दबाव बनाया जा रहा है। मना करने पर कार्यालय में बैठकर ही फर्जी उपस्थिति व केंद्र संचालन की आख्या बनाकर कारण बताओ नोटिस और मानदेय रोकने की कार्रवाई की जा रही है। जबकि उषा देवी के पास ऋ्रक्रर फोटो के साथ केंद्र पर उपस्थिति के प्रमाण हैं।महिला आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ की जिला अध्यक्ष रेहाना परवीन ने बताया कि 26 फरवरी तक जिले में 4 भ्रष्ट अधिकारियों को पकड़वाया गया है।

खजुहा में सीडीपीओ-बाबू, फिर सुपरवाइजर और बहुआ में शारदा वर्मा का मामला उजागर हुआ था। अब शिकायतकर्ता को ही बदले की भावना से प्रताड़ित किया जा रहा है। पीड़िता ने डीपीओ पर भी अंकुश न लगाने का आरोप लगाया है और जिलाधिकारी से शारदा वर्मा की तैनाती बहुआ में पुनः न करने और कृष्ण चन्द्र की भूमिका की जांच कर कठोरतम कार्रवाई की मांग की है।

हापुड़ में मिलावटी क्रीम फैक्ट्री पर छापा, 5 क्विंटल क्रीम नष्ट



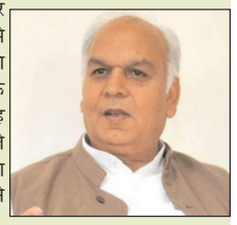
हापुड़ (सब का सपना):- आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उ.प्र. के आदेश व जिलाधिकारी के निर्देशन में 2 नवंबर 2026 की रात खाद्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय चंद्रशेखर मिश्र के नेतृत्व में रात 11 बजे शकरपुर कुचेसर चौपला स्थित जय नागर की क्रीम निर्माण इकाई पर छापा मारा गया। मौके पर वनस्पति, रिफाइंड ऑयल, रटढ व दही से क्रीम बनाई जा रही थी। टीम ने 3 नमूने लिए और लगभग 5 क्विंटल मिलावटी क्रीम (कीमत करीब 1.10 लाख रुपये) को नष्ट कराया। कारोबार बंद करा दिया गया है, जांच रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई होगी। टीम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज, FSO मोहित, सहरीश सादात, विपिन मौजूद रहे। इसी रात 9:30 बजे छतनौरा गांव में पहलवान डेयरी से दूध व अमित डेयरी से मिल्क, क्रीम व पनीर के नमूने लिए गए।

मोहाली निगम कमिश्नर को दीवाली पर 'कूड़े का तोहफा', गंदगी के परेशान लोगों ने अपनाया अनोखा तरीका



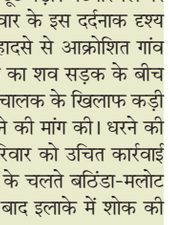
मोहाली। दीवाली पर तोहफे देने की परंपरा का सभी को पता है, लेकिन किसी को 'कूड़े का तोहफा' देने का ट्राईसिटी में शायद यह पहला मामला हो। छह से सात महीनों से गलियों की नियमित सफाई न होने से परेशान वार्ड नंबर-22 के लोगों ने निगम कमिश्नर को 'कूड़े का तोहफा' देकर अफसरशाही को सबक सिखाया है। साफ-सफाई न होने से लोग काफी परेशान हैं। गलियों में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं, लेकिन सफाई और कूड़ा उठाने की व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा है। इस समस्या को मेयर व अधिकारियों को बताने के लिए उन्होंने अनूठे अंदाज में लोगों के साथ विरोध जताया।पार्षद हरविंदर सिंह ने बताया कि महीनों से सफाई व्यवस्था बदहाल है और शिकायतों के बावजूद समाधान नहीं हो रहा है तो इलाके के लोगों ने मेयर तक अपनी परेशानी पहुंचाने के लिए अनोखा तरीका अपनाया। एयरोसिटी का कूड़ा और गंदगी डिब्बे में बंद कर लोग मंगलवार को नगर निगम दफ्तर पहुंचे। मेयर नहीं आने से वे उनसे मिल नहीं सके। लोगों ने निगम कमिश्नर से मिला गया और गंदगी भरा डिब्बा उनकी टेबल पर रख दिया गया। पार्षद ने कहा कि कमिश्नर ने उन्हें आश्वासन दिया कि एयरोसिटी इलाके की सफाई जल्द करवा दी जाएगी।

'चुनाव नहीं लड़ूंगा, पार्टी के लिए काम जारी रहेगा', पूर्व एमपी मोहिंदर केपी ने संन्यास लेने की अटकलों को किया खारिज



जालंधर। पूर्व सांसद एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहिंदर सिंह केपी ने इंटरनेट मीडिया पर उनके राजनीति से संन्यास लेने की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है। केपी ने दैनिक जागरण से बातचीत में कहा कि इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रही खबरें पूरी तरह से गलत हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह पहले शिरोमणि अकाली दल में थे और अभी भी शिरोमणि अकाली दल में ही हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने करतारपुर से विधानसभा चुनाव नहीं लड़ना था, इसके बारे में पार्टी को पहले ही बता दिया था। उनकी राय के बाद ही पार्टी ने नया हलका इंचार्ज नियुक्त किया है। केपी ने कहा कि वह सक्रिय राजनीति में अपनी भूमिका निभाते रहेंगे।पार्टी मजबूती के लिए काम करूंगा मोहिंदर केपी ने कहा कि फिलहाल वह चुनाव नहीं लड़ रहे हैं, लेकिन पार्टी की सभी गतिविधियों में शामिल हैं और पार्टी की मजबूती के लिए लगातार काम कर रहे हैं। गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हो रही थी जिसमें कहा गया था कि मोहिंदर केपी 40 साल की सेवा के बाद सक्रिय राजनीति से संन्यास ले रहे हैं। तीन साल पहले अकाली दल में हुए थे शामिल महेंद्र सिंह केपी का जन्म 1956 को जालंधर में हुआ था। साल 1992 में उनके पिता दर्शन सिंह केपी की खालिस्तानी आर्तकियों की तरफ से हत्या कर दी थी। उनके पिता पूर्व मंत्री और पांच बार जालंधर से विधायक रहे थे। महेंद्र सिंह केपी 2009 में पहली बार जालंधर लोकसभा सीट से कांग्रेस के सांसद चुने गए। 2014 में कांग्रेस ने उन्हें होशियारपुर विधानसभा सीट से चुनाव में उतारा, लेकिन विजय सांपला से हार गए।

लुधियाना में पुलिस कस्टडी में शूटर राजू की मौत, पूछताछ के दौरान सीने में उठा दर्द; अस्पताल में तोड़ा दम



लुधियाना। लुधियाना के सुधार थाने के अंतर्गत आने वाले राजोआणा गांव के गुरुद्वारा साहिब में गोलियां चलाने के मामले में गिरफ्तार शूटर राज सिंह उर्फ राजू की पुलिस कस्टडी में मौत हो गई। पुलिस ने उसे कुछ दिन पहले गिरफ्तार किया था और उससे मामले को लेकर पूछताछ की जा रही थी। इसी दौरान मंगलवार देर रात अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस पूछताछ के दौरान राजू ने अचानक सीने में दर्द होने की शिकायत की। इसके बाद पुलिस उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। शुरूआती तौर पर उसकी मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है। हालांकि, राजू की मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस की ओर से मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस कस्टडी में हुई इस मौत के बाद अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य जांच के आधार पर मौत की परिस्थितियां स्पष्ट होंगी।

बठिंडा में गलत दिशा से आ रही पीआरटीसी बस ने बुलेट मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, फौजी के बेटे की दर्दनाक मौत

बठिंडा। बठिंडा-मलोट रोड पर बल्लुआणा टोल प्लाजा के नजदीक सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 17 वर्षीय युवक की मौत हो गई। आरोप है कि गलत दिशा से आ रही सरकारी पीआरटीसी बस ने सामने से आ रहे बुलेट मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि मोटरसाइकिल सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव करमगढ़ सत्तरा निवासी सुखमंदीप सिंह पुत्र राम कृष्ण के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सुखमंदीप सिंह सोमवार देर शाम बल्लुआणा में ट्यूशन पढ़ने गया था। ट्यूशन खत्म होने के बाद वह अपने बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार होकर वापस गांव लौट रहा था। इसी दौरान बल्लुआणा टोल प्लाजा के पास कथित तौर पर गलत दिशा से आ रही पीआरटीसी बस ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, हादसे के बाद बस चालक मौके पर रुकने के बजाय बस लेकर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि चालक बठिंडा की तरफ जाने की बजाय गांवों के रास्ते बस लेकर वापस मलोट पहुंच गया। मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने बस का पीछा किया और आरोपित चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है और हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है। ट्यूशन जा रहा था मृतक इस हादसे ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। सुखमंदीप सिंह के पिता राम कृष्ण भारतीय सेना में फौजी के पद पर तैनात हैं। उन्होंने अपने बेटे को पढ़ाई के लिए ट्यूशन भेजा था, लेकिन उन्हें इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि उनका बेटा घर वापस नहीं लौटेगा। बेटे की मौत की खबर सुनते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घटनास्थल पर पिता का रो-रोकर बुरा हाल था।लोगों ने किया प्रदर्शन परिवार के इस दर्दनाक दृश्य को देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। हादसे से आक्रोशित गांव करमगढ़ सत्तरा के ग्रामीणों और मृतक के परिजनों ने युवक का शव सड़क के बीच रखकर धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी बस चालक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने और पीड़ित परिवार को इंसाफ दिलाने की मांग की। धरने की सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिवार को उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाकर शांत करवाने का प्रयास किया। प्रदर्शन के चलते बठिंडा-मलोट रोड पर यातायात भी प्रभावित रहा। इस दर्दनाक हादसे के बाद इलाके में शोक की लहर है।

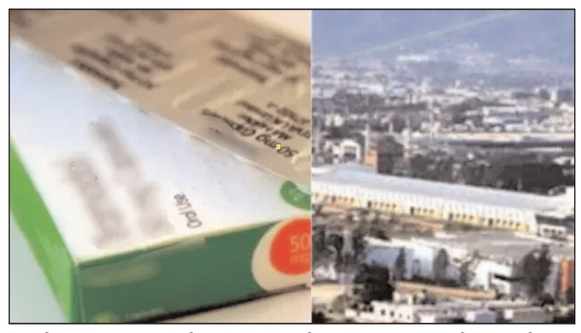
सात राज्यों में फैला अवैध फार्मा नेटवर्क, पंजाब में एनसीबी की बड़ी कार्रवाई, 20.10 करोड़ की संपत्तियां सीज

चंडीगढ़। पंजाब सहित सात राज्यों में फैले फार्मास्युटिकल दवाओं की अवैध सप्लाई और डायवर्जन के मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 20.10 करोड़ रुपये की 25 संपत्तियां फ्रीज कर दी हैं। इनमें अधिकतर संपत्तियां पंजाब के मोहाली जिले में स्थित हैं। इनमें औद्योगिक प्लाट, व्यावसायिक इकाइयां, शाप-कम आफिस और अपार्टमेंट शामिल हैं। ये संपत्तियां आरोपितों और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर हैं।

एनसीबी के अनुसार, सक्षम प्राधिकरण ने स्मगलर्स एंड फारेन एक्सचेंज मैनिपुलेटर्स (फारफीचर आफ प्रापर्टी) एक्ट, 1976 और एनडीपीएस एक्ट की धारा 68एफ (2) के तहत संपत्तियों को फ्रीज करने के आदेश को मंजूरी दे दी।

अब इन संपत्तियों को पूर्व अनुमति के बिना बेचा, हस्तांतरित या किसी अन्य तरीके से इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। जांच में सामने आया कि आरोपित अपने और परिवार के सदस्यों के नाम पर खरीदी गई इन संपत्तियों के लिए आय के वैध स्रोत साबित नहीं कर सके।मोहाली में फ्रीज की गई संपत्तियां

फ्रीज की गई संपत्तियां मोहाली के



गिल्को इंडस्ट्रियल पार्क, मोहाली सिटी सेंटर-3, मोहाली सिटी सेंटर वाक, जनता इंडस्ट्रियल एस्टेट, गैलेक्सी हाइट्स-2, क्वीनस्टाउन और जेएलपीएल में स्थित हैं। इस मामले में अंबाला कैंट के एक ही परिवार के तीन सदस्य कोनिक गोयल, मानिक गोयल और उनके पिता परशोत्तम लाल गोयल फरार हैं। एनसीबी के अनुसार, वे समन और गैर-जमानती वारंट जारी होने के बावजूद जांच में शामिल नहीं हुए।सुप्रीम कोर्ट भी उनकी अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर चुका है। इस मामले की शुरूआत 7 फरवरी 2025 को हुई थी, जब एनसीबी ने अमृतसर में 5,000 ट्रामाडोल टैबलेट बरामद की थीं। दवाओं की पैकेजिंग पर हरिद्वार की एक कंपनी को निमार्ता और देहरादून की एक कंपनी को मार्केटिंग फर्म बताया गया था।

पड़ोसी राज्यों में फैला नेटवर्क

जांच में पता चला कि मार्केटिंग कंपनी का वास्तविक अस्तित्व ही नहीं था। इसके बाद गठित विशेष जांच टीम ने उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में सक्रिय फार्मास्युटिकल कंपनियों के नेटवर्क का पता लगाया।

आरोप है कि इस नेटवर्क के जरिये दवाओं को ऐसी फर्जी और अस्तित्वहीन कंपनियों के नाम पर भेजा जाता था, जहां से उन्हें अवैध रूप से बाजार में खपाया जाता था। यह नेटवर्क पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश तक फैला हुआ था। हिमाचल प्रदेश के काला अंब में डिजिटल विजन और वेलिंटन हेल्थकेयर की दो इकाइयों में बड़ी मात्रा में साइकोट्रापिक दवाएं और उनका कच्चा माल बरामद किया गया।

एनडीए से जुड़ा अकाली दल तो पंजाब में जीत पक्की', चंडीगढ़ दौरे पर क्या बोल गए केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले

चंडीगढ़। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास अठावले ने पंजाब की राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यदि पंजाब में शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी के बीच गठबंधन होता है तो आगामी विधानसभा चुनाव में जीत पक्की है।

दोनों दलों के एक साथ आने से पंजाब में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को मजबूती मिलेगी और चुनावी मुकाबले में बेहतर परिणाम सामने आएंगे। अठावले चंडीगढ़ दौरे पर हैं उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) भी पंजाब विधानसभा चुनाव में अपनी राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करेगी। 10-15 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी

पार्टी प्रदेश में 10 से 15 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी करेगी। इन सीटों पर पार्टी अपने उम्मीदवार उतारेगी, जबकि बाकी विधानसभा सीटों पर एनडीए के उम्मीदवारों को समर्थन दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी



पार्टी का उद्देश्य पंजाब में एनडीए की ताकत बढ़ाना और गठबंधन को मजबूत करना है।उन्होंने कहा कि पंजाब में अकाली दल और भाजपा का गठबंधन राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। दोनों दलों के बीच तालमेल बनने से एनडीए को चुनावी लाभ मिलेगा। अठावले के इस बयान को पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले गठबंधन की राजनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है।अन्य राज्यों में चुनाव लड़ने की तैयारी

केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि उनकी पार्टी केवल पंजाब तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अन्य राज्यों में भी विधानसभा चुनाव लड़ेगी। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) मणिपुर, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में भी अपने उम्मीदवार मैदान में उतारेगी।

इन राज्यों में पार्टी संगठन को मजबूत करने और चुनावी भागीदारी बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। अठावले के बयान से स्पष्ट है कि उनकी पार्टी आगामी चुनावों में एनडीए के साथ अपनी राजनीतिक भूमिका को विस्तार देने की रणनीति पर काम कर रही है।

त्योहारी सीजन में यात्रियों को बड़ी राहत, चंडीगढ़-पटना के बीच दौड़ेगी स्पेशल ट्रेन; अंबाला कैंट में होगा ठहराव

चंडीगढ़। त्योहारी सीजन में ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों के लिए राहतभरा फैसला लिया है। चंडीगढ़ और पटना के बीच आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जाएगी।

इस फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन में कुल 17 कोच होंगे। इसमें प्रथम वातानुकूलित, द्वितीय वातानुकूलित, तृतीय वातानुकूलित, वातानुकूलित चेयर कार, शयनयान और सामान्य श्रेणी के कोच शामिल रहेंगे, ताकि सभी वर्ग के यात्रियों को सुविधा मिल सके।

यह ट्रेन एक फेरे के लिए चलेगी और अंबाला मंडल के अंबाला छावनी व सहारनपुर स्टेशन पर रुकेगी। रेलवे के अनुसार 6 नवंबर को गाड़ी संख्या 04510 चंडीगढ़ से रात 10 बजे रवाना होगी और अगले दिन रात 09:15 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में 7 नवंबर को गाड़ी संख्या 04509 पटना से रात 11:15 बजे चलेगी और अगले दिन रात 09:40 बजे चंडीगढ़ पहुंचेगी।

अंबाला कैंट और सहारनपुर में ये रहेगा टाइम



अप दिशा में 04510 चंडीगढ़ से चलने के बाद रात 10:45 बजे अंबाला छावनी पहुंचेगी और 10:50 बजे रवाना होगी। इसके बाद रात 01:25 बजे सहारनपुर पहुंचेगी और 01:30 बजे आगे रवाना होगी।डाउन दिशा में 04509 पटना से चलकर अगले दिन शाम 06:50 बजे सहारनपुर पहुंचेगी और 07:00 बजे प्रस्थान करेगी। इसके बाद रात 08:30 बजे अंबाला छावनी पहुंचेगी और 08:35 बजे चंडीगढ़ के लिए रवाना होगी।

कंफर्म सीट उपलब्ध कराने के लिए स्पेशल ट्रेनों का संचालन

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि त्योहारों के दौरान बिहार और उत्तर प्रदेश जाने वाले यात्रियों की संख्या काफी बढ़ जाती है। इसी अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों को कंफर्म सीट उपलब्ध कराने के लिए स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे भीड़ से बचने के लिए अपनी यात्रा पहले से प्लान करें। टिकट की बुकिंग और ट्रेन की समय-सारिणी की सटीक जानकारी के लिए RailOne एप का इस्तेमाल करें।

हवारा को पंजाब की जेल में भेजने से विधानसभा चुनाव पर पड़ेगा असर! आईबी की रिपोर्ट पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता



चंडीगढ़। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि बेअंत सिंह हत्याकांड के दोषी जगतार सिंह हवारा को दिल्ली की तिहाड़ जेल से पंजाब की किसी भी जेल में ट्रांसफर करने से राज्य के आगामी विधानसभा चुनावों पर भारी असर पड़ेगा। आईबी ने शीर्ष अदालत से यह भी कहा कि हवारा उच्च जोखिम वाली श्रेणी में आता है और उसे पंजाब ट्रांसफर नहीं किया जाना चाहिए। जस्टिस एम एम सुंदरेश और जस्टिस पी बी वराले की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता एस मुरलीधर से कहा कि एजेंसी की रिपोर्ट काफी चिंताजनक है। इस पर वरिष्ठ अधिवक्ता मुरलीधर ने बताया कि यदि चुनाव एक चिंता का विषय है, तो इस मामले पर तीन महीने बाद विचार किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए अगले साल फरवरी की तारीख तय की। 117 सदस्यीय पंजाब विधानसभा के लिए चुनाव अगले साल की शुरूआत में होने हैं। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार को हवारा की उस याचिका पर आईबी से इनपुट मांगने का निर्देश दिया था, जिसमें उसने तिहाड़ से पंजाब की किसी जेल में ट्रांसफर करने की गुहार लगाई थी। बब्बर खालसा का यह आतंकी अगस्त 1995 में तत्कालीन पंजाब के मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है। दिल्ली सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि हवारा जेल ब्रेक की घटना में शामिल रहा है और हत्या के मामले में उसकी मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया गया था। यह तर्क देते हुए कि ट्रांसफर से उसके भागने की संभावना बढ़ सकती है, भाटी ने उच्च जोखिम वाले कैदियों के ट्रांसफर पर गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक सलाह का हवाला दिया। उन्होंने पंजाब सरकार द्वारा दायर एक हलफनामे का भी संदर्भ दिया और कहा कि हवारा के ट्रांसफर से राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हो सकती है। भाटी ने बताया कि हवारा को चंडीगढ़ जेल में सुरंग खोदने के एक मामले में भी दोषी ठहराया जा चुका है। पिछले साल 27 सितंबर को शीर्ष अदालत ने हवारा की याचिका पर केंद्र, चंडीगढ़ प्रशासन, दिल्ली और पंजाब सरकार को नोटिस जारी किए थे। हवारा 31 अगस्त 1995 को चंडीगढ़ में सिविल सचिवालय के प्रवेश द्वार पर हुए विस्फोट के मामले में अपनी बाकी की पूरी जिंदगी के लिए कारावास की सजा काट रहा है, जिसमें बेअंत सिंह और 16 अन्य लोग मारे गए थे। शीर्ष अदालत में दायर याचिका में कहा गया है कि जनवरी 2004 की जेल ब्रेक की घटना को छोड़कर जेल में हवारा का आचरण बेदाग रहा है। इसमें कहा गया कि उसे तिहाड़ जेल से पंजाब की किसी भी अन्य जेल में स्थानांतरित किया जाना चाहिए क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी में उसके खिलाफ कोई मामला लंबित नहीं है। हवारा, परमजीत सिंह भ्योरा, तारा और एक अन्य हत्या का दोषी देवी सिंह 22 जनवरी 2004 को चंडीगढ़ की उच्च सुरक्षा वाली बड़ैल जेल से लगभग 100 फीट लंबी सुरंग खोदकर भाग गए थे। हवारा और भ्योरा को अगले दो वर्षों के भीतर फिर से गिरफ्तार कर लिया गया था। उस मामले में भगोड़ा घोषित तारा को थाईलैंड में गिरफ्तार किया गया था, जबकि देवी सिंह अभी भी फरार है और उसे भी भगोड़ा घोषित किया जा चुका है। याचिका में कहा गया था कि याचिकाकर्ता (हवारा) वर्तमान में पंजाब राज्य में दर्ज एक मामले में अपनी बाकी की पूरी जिंदगी के लिए उम्रकैद की सजा काट रहा है।

अमृतसर में आतंकी हमले की साजिश नाकाम, दो हैंड ग्रेनेड व 12 पिस्तौल बरामद; गिरोह के 11 सदस्य गिरफ्तार

अमृतसर। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने दो ग्रेनेड, 12 पिस्तौल, 33 कारतूस और 310 ग्राम हेरोइन ले जा रहे गिरोह के ग्यारह सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से बारह मैगजीन और चोरी की बाइक भी बरामद की गई है। रंजीत एवेन्यू, छेहरटा और सुल्तानविंड इलाके में की गई कार्रवाई में पकड़े गए उक्त आरोपितों में से दो नाबालिग भी हैं। सीपी हरमनबीर सिंह गिल, डीसीपी प्रभजोत सिंह विर्क और डीसीपी जसरणजीत सिंह तेजा ने सोमवार की शाम पुलिस लाइन में आयोजित की गई प्रेस कांफ्रेंस में पकड़े गए आरोपितों की पहचान नवीं आबादी स्थित निरंकारी कालोनी निवासी बोबी, तरनतारन जिले के चीमा खुर्द गांव निवासी सम्याल सिंह



गुरु निवासी विशाल सिंह उर्फ कालू, भिखीविंड निवासी गुरबीर सिंह उर्फ बिल्ला और दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया है।रिकवर किए गए हैंड ग्रेनेड्स और पिस्टल की जानकारी देते हुए पुलिस कमिश्नर हरमनबीर सिंह। विदेश में बैठे गैंगस्टर के संपर्क में थे

सीपी ने बताया कि बोबी, सतमोल सिंह, हरप्रीत सिंह, आकाशदीप सिंह, आकाशदीप सिंह उर्फ आकाश, विशाल सिंह और गुरबीर सिंह के खिलाफ पहले भी हेरोइन तस्करी और असलहा एक्ट के आरोप में केस दर्ज हैं। पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया है कि यह खेप विदेश बैठे कुख्यात गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैपी जट और दुबई बैठे हेरोइन तस्कर करण ने यह खेप पंजाब के बदमाशों को पहुंचाने के लिए यहां भेजी है। यह भी साफ हुआ है कि यह हथियार और नशे की खेप पाक तस्करों ने ड्रोन के जरिए अटारी सेक्टर में गिराई थी, जिसे आरोपितों ने कब्जे में लेकर अब ठिकाने लगाना था।सूचना के बाद की गई कार्रवाई सीपी ने बताया कि सूचना मिली थी कि उक्त आरोपित अलग अगल गिरोह में रंजीत एवेन्यू, सुल्तानविंड रोड और छेहरटा इलाके में हेरोइन व हथियार सप्लाई करने निकले हैं।

मानसा में दलजीत की मौत मामले में हरसिमरत बादल ने एसएसपी की लोकसभा में की शिकायत, विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया

मानसा। शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने मानसा में कथित ड्रग ओवरडोज से हुई एक युवक की मौत पर उनकी चिंताओं को खारिज करने को लेकर पंजाब पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को विशेषाधिकार हनन की शिकायत सौंपी है। उन्होंने सांसदों के कार्यों के प्रभावी निर्वहन की रक्षा के लिए उनके हस्तक्षेप की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार, बठिंडा सांसद बादल ने अपनी शिकायत में लोकसभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमों के नियम 222/223 के तहत मानसा के सरद वैभव चौधरी के खिलाफ नोटिस दिया था और पता चला है कि इसे आगे की कार्रवाई के लिए विशेषाधिकार समिति को भेज दिया गया है। सूत्रों ने कहा कि विशेषाधिकार समिति इस मामले की जांच करेगी।अपनी शिकायत में, बठिंडा सांसद ने आरोप लगाया कि



जब युवक की मौत से संबंधित मामला एसएसपी के संज्ञान में लाया गया, तो उन्होंने पक्षपातपूर्ण तरीके से काम किया और पुलिस ने मृतक के परिवार से जबरन शव छीन लिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि पुलिस को मृतक के पिता के ठिकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, भले ही परिवार का दावा था कि उनके पास पुलिस के साथ उनकी तस्वीरें थीं।संदिग्ध परिस्थितियों में हुई थी मौत उन्होंने कहा कि मानसा जिले के भम्मे कलां गांव के एक छोटे किसान दलजीत सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई और उनके परिवार ने उनकी मौत का कारण नशीली दवाओं का सेवन बताया तथा नशा सप्लाई करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। हालांकि, पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया। उनकी मौत नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच हुई, जिनकी 13 अक्टूबर 2026 को अवैध नशीली दवाओं की बिक्री को लेकर एक मेडिकल स्टोर के मालिक ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उनके परिवार और समर्थकों ने तब से न्याय और नशीली दवाओं के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर धरना दे रखा था। हरसिमरत बादल ने कहा अपनी शिकायत को उस आंदोलन से जोड़ने और जिसे वे नशे से जुड़ी एक और मौत मानते थे उसे उजागर करने के लिए दलजीत सिंह के परिवार और ग्रामीणों ने उनका शव मौजूदा धरना स्थल पर ले जाने का प्रयास किया। पुलिस ने हस्तक्षेप किया और जबरन शव को अपने कब्जे में ले लिया।

उन्होंने आगे कहा कि मृतक के पिता जरनैल सिंह, जो मधुमेह से पीड़ित हैं, को वर्दीधारी पुलिसकर्मी अपने साथ ले गए थे और परिवार को उनके ठिकाने के बारे में कुछ पता नहीं था। बादल ने बताया कि 29 अक्टूबर को अपने गांव में पीड़ित परिवार से मुलाकात के दौरान, उन्होंने परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों की मौजूदगी में स्पीकरफोन पर एसएसपी को फोन किया।

एक्सिस म्युचुअल फंड ने 'एक्सिस रिटायरमेंट सेविंग्स फंड' लॉन्च किया

भारत की अग्रणी परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों में से एक, एक्सिस म्युचुअल फंड ने अपना नया फंड-'एक्सिस रिटायरमेंट सेविंग्स फंड' लॉन्च किया। यह फंड ओपन-एंडेड रिटायरमेंट समाधान-आधारित स्कीम है, जिसकी लॉक-इन अवधि 5 वर्ष या रिटायरमेंट की उम्र (जो भी पहले हो) तक है। इस नए फंड ऑफर (एनएफओ) को 29 नवंबर, 2019 से 13 दिसंबर, 2019 तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा। रिटायरमेंट की प्लानिंग देश के कामकाजी आयुवर्ग वालों के लिए धीरे-धीरे एक प्रमुख समस्या बनती जा रही है, चूंकि उनके पास रिटायरमेंट के बाद लंबी जिंदगी जीने की चुनौती होती है। औपचारिक सामाजिक सुरक्षा और बदलती परंपरागत सहायक पारिवारिक संरचनाओं के मद्देनजर, यह चुनौती गंभीर बन जाती है। एक्सिस एएमसी द्वारा बाजार पर कराये गए एक अध्ययन के निष्कर्षों से इस स्थिति की पुष्टि हुई है। इस अध्ययन के दौरान विभिन्न पृष्ठभूमियों और अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों से संपर्क किया गया, जिनमें से सभी ने रिटायरमेंट को लेकर अपनी तैयारी से जुड़ी चिंताएं जाहिर की। लोग चाहते हैं कि रिटायरमेंट के बाद भी वो आत्मनिर्भर बने रहें और साथ ही, वो नहीं चाहते कि रिटायरमेंट के चलते उनकी जीवनशैली में कोई बदलाव आए। इन चुनौतियों को लेकर बढ़ती जागरूकता के साथ, लोगों को उनकी सहायता हेतु सही वित्तीय समाधान की जरूरत अधिकाधिक महसूस हो रही है। एक्सिस रिटायरमेंट सेविंग्स फंड को निवेशकों को उक्त सहायता हेतु विशिष्ट तरीके से डिजाइन किया गया है। इस फंड की कई विशेषताएं हैं, जैसे-लचीले जोखिम प्रोफाइल्स वाले अलग-अलग निवेश प्लान्स, विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में मजबूत फंड प्रबंधन क्षमताएं, कर पर छूट, रिटायरमेंट के बाद की आय के लिए फंड के उपयोग की छूट और साथ ही, निवेशकों के लिए जीवन सुरक्षा उपलब्ध है, ताकि उन्हें अनुशासित बने रहने हेतु प्रोत्साहित किया जा सके। एक्सिस रिटायरमेंट से विंग्सप्लान की लॉक-इन अवधि पांच साल या रिटायरमेंट की उम्र (जो भी पहले हो) तक है। निवेशकों की विभिन्न जोखिम प्रोफाइल्स को ध्यान में रखते हुए, इस फंड में तीन निवेश विकल्प हैं- एग्रेसिव प्लान जिसमें 65-80 प्रतिशत निधि इक्विटी में निवेश की जाएगी, डाइनैमिक प्लान जिसमें 65-100 प्रतिशत निधि को परिवर्तनात्मक तरीके से इक्विटी में निवेश किया जाएगा और कंजर्वेटिव प्लान 40-80 प्रतिशत डेब्ट में निवेश किया जाएगा। रिटायरमेंट फंड जैसे दीर्घकालिक समाधान उपलब्ध कराते समय, विभिन्न जोखिम प्रोफाइल्स के लिए अलग विकल्प होना आवश्यक है। इसका कारण यह है कि जोखिम प्रोफाइल उनकी उम्र और परिस्थिति के आधार पर बदलती रहती है।

मुख्य बातें

- कामकाजी आयुवर्ग-जो रिटायरमेंट के बाद आत्मनिर्भर बने रहना चाहता है- के लिए रिटायरमेंट की प्लानिंग चुनौती बनती जा रही है।
- एक्सिस रिटायरमेंट सेविंग्स फंड को इस प्रकार से डिजाइन किया गया है, ताकि निवेशक दीर्घकालिक रिटायरमेंट प्लानिंग कर सकें।
- इस ओपन एंडेड फंड में निवेशकों की आयु व बदलती परिस्थितियों के आधार पर बदलती जोखिम प्रोफाइल्स के अनुरूप तीन अलग-अलग प्लांस हैं।
- आई-प्लससिप इंश्योरेंस दीर्घकालिकसिप निवेशकों की लंबितसिप प्रतिबद्धताओं के अनुरूप अनूठा निःशुल्क जीवन सुरक्षा प्रदान करता है।
- एनएफओ की तिथिः 29 नवंबर से 13 दिसंबर, 2019 तक।

आई- प्लससिप इंश्योरेंस

इस फंड की अनूठी एवं नई विशेषता यह है कि इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निवेशक का दीर्घ कालिक योजनाबद्ध निवेश अज्ञात जोखिम के शिकार न हों। आई-प्लससिप इंश्योरेंस निवेशकों को निःशुल्क जीवन सुरक्षा प्रदानकरता है, जोकि उनके दीर्घकालिकसिप की शेष वचनबद्धता के बराबर है। इसकी इस खूबी के चलते, निवेशकों के मन को सुकून मिलेगा, क्योंकि वो अपने परिवार एवं आश्रितों को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक निवेश प्लान्स बनाते हैं। एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा यह इंश्योरेंस प्रदान किया जाएगा।

35 के बाद मां बनने पर शिशु को हो सकता है इस बड़ी बीमारी का खतरा

ज्यादा उम्र की महिलाओं से जन्मे लड़कों में दिल संबंधी बीमारियों का खतरा ज्यादा होता है। एक हालिया शोध में यह दावा किया गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज द्वारा किए गए शोध में पाया गया कि उम्रदराज माताओं के गर्भनाल में होने वाले बदलाव के कारण उनसे जन्मे लड़कों के स्वास्थ्य को आगे चलकर नुकसान पहुंच सकता है।

35 के बाद मां बनने से मुश्किलः यह शोध चूहों पर किया गया और पाया गया कि 35 की उम्र के ऊपर मां बनने वाली महिलाओं के बेटों के साथ ऐसी समस्या हो सकती है। हालांकि, शोध में पाया गया कि देर से मां बनने वाली महिलाओं के बेटों को तो इसके नकारात्मक परिणाम भुगतने पें लेकिन बेटियों में ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला, बल्कि उनमें कुछ फायदा ही देखा गया। शोधकर्ताओं ने कहा कि माताओं की उम्र ज्यादा होने से गर्भनाल द्वारा बच्चे तक पोषण और ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता कम हो जाती है। पहली गर्भावस्था की उम्र बती जा रही है- शोधकर्ता डॉक्टर अमांडा पेरी ने कहा, महिलाओं में पहली गर्भावस्था की औसत आयु दिनों-दिन बती जा रही है, इसलिए यह समझना जरूरी है कि ज्यादा उम्र में मां बनने वाली महिलाओं के बच्चों में वयस्क होने पर किस तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

बेटा होगा तो बढ़ेंगी मुश्किलें

शोधकर्ताओं ने कहा कि मां को गर्भ में पल रहे बच्चे से जोने वाली गर्भनाल बेहद गतिशील होती है। महिलाओं की उम्र बने से होने वाले जेनेटिक बदलावों के कारण गर्भनाल के कार्य करने की क्षमता भी प्रभावित होती है। बढ़ती उम्र में पोषण का बंटवारा करना मुश्किल होता है।

शोधकर्ता डॉक्टर टीना नापसो ने कहा कि, ज्यादा उम्र में गर्भधारण करना मां के लिए काफी महंगा साबित होता है क्योंकि उसके शरीर के लिए बच्चों के साथ पोषण का बंटवारा करना थोा मुश्किल हो जाता है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि शोध के दौरान देखा गया कि उम्रदराज मां और मादा भ्रूण के मामले में गर्भनाल फायदे देता हुए पाया गया। इस दौरान गर्भनाल में सकारात्मक बदलाव देखे गए जो भ्रूण के विकास को ज्यादा फायदा पहुंचाते हैं।

वहीं शोध में पता चला कि नर भ्रूण के मामले में उम्रदराज माताओं का गर्भनाल कमजोर हो जाता है और ठीक से अपना काम नहीं कर पाता।





मसाला दलिया

सामग्री

- 1 कप भुना हुआ दलिया
- 1 हरी मिर्च
- 1 प्याज
- 1 कप लौकी
- 1 चम्मच सरसो के बीज
- हल्दी पाउडर
- 1 बड़ा चम्मच घी
- 1 कप कटी हुई गाजर
- 1/2 कप शिमला मिर्च
- 1 छोटा चम्मच हल्दी
- 1/2 कप कटे हुए टमाटर
- ½ कप हरी मटर
- ½ कप स्वीट कॉर्न
- ½ टीस्पून काली मिर्च पाउडर
- 1 नींबू का रस
- नमक स्वाद अनुसार
- अनार के बीज और धनिया पत्ती गार्निशिंग के लिए

विधि

सबसे पहले एक पैन में घी गर्म करें। अब इसमें राई और प्याज डाल दें। प्याज को गोल्डन ब्राउन होने के बाद भूने। इसके बाद इसमें हरी मिर्च, लौकी, कॉर्न्स, गाजर, शिमला मिर्च और मटर डालकर भूनें। अब पैन में टमाटर डालें। इसके बाद पैन में नमक, काली मिर्च और हल्दी पाउडर डालकर पैन को 3-4 मिनट के लिए ढक दें। थोड़ी देर बाद सब्जियों को अच्छी तरह से मिला लें। अब पैन में डालिया और पानी डालकर पैन को दोबारा ढक दें। दलिया को समय-समय पर चेक करते रहे। एक बार दलिया पकने के बाद गैस को बंद करके दलिया में नींबू का रस मिलाकर उसे गर्मा-गर्म प्लेट में अनार के दानों और धनिया पत्ती से गार्निश करके सर्व करें।



मसाला बनाना करी

सामग्री

- 2 कच्चे केले
- नमक
- 1/4 टीस्पून हल्दी
- 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर
- 1 टेबलस्पून अदरक का पेस्ट, तेल
- बारीक कटा प्याज और टमाटर
- चुटकी भर मेथी दाना और सौंफ
- करी पत्ते
- 2 टेबलस्पून लहसून का पेस्ट
- 2 टेबलस्पून धनिया व जीरा पाउडर
- 2 टेबलस्पून इमली का पल्प

विधि

छिले हुए केलों को मोटे और गोल टुकड़ों में काट लें। उन पर नमक, हल्दी पाउडर, 1/2 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर और आधा अदरक का पेस्ट अच्छी तरह मिला लें। एख नॉनस्टिक पैन में तेल गर्म कर केले के स्लाइसेज भूनें। एक कड़ाही में मेथी दाना, सौंफ, करी पत्ते और प्याज भूनें। बचा हुआ अदरक का पेस्ट, लहुसन का पेस्ट और टमाटर उसमें मिला लें। केलों पर थोड़ा पानी छिड़कें और ढककर पकने दें। अब हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर और लाल मिर्च पाउडर मिलाएं। उसमें आधा कप पानी और नमक मिलाने के बाद केले के टुकड़े और इमली का पल्प मिलाएं। आंच धीमी कर थोड़ा और पानी डालकर कड़ाही ढक दें। 1-2 मिनट तक पकाने के बाद गरमागरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-4-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

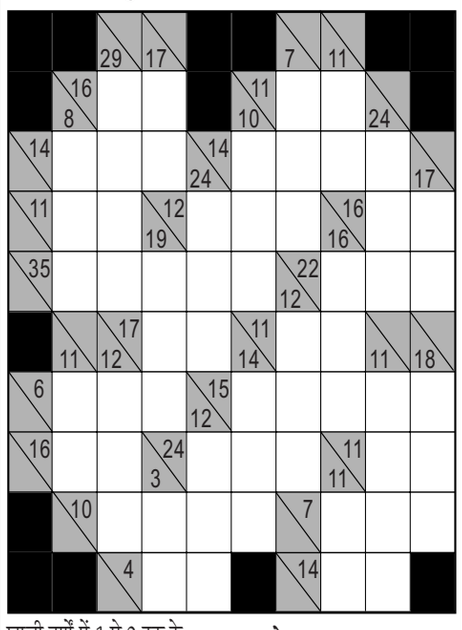
कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची)

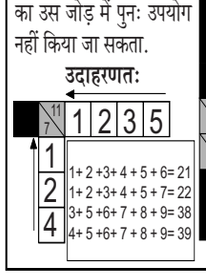
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्यायाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

काकुरो पहेली - 4059



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



1+2+3+4+5=6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 4058 का हल

■	4 7	3 4	3 13	1 2	4 11	3 1	10 11	11 10
7	3	4	3	1	2	3	1	■
3	1	2	13 13	4	9	11 7	2	9
■	6	1	3	2	3	2	1	14 ■
■	■	12 29	9	3	17 6	4	5	8 16
6 9	5	1	4 30	3	1	12	3	9
8	1	7	7	6	1	■	8 11	1	7
17	8	9	10 14	8	2	3 16	1	2
■	23	8	6	9	17	9	8	■
■	■	15	8	7	9	7	2	■

लॉफिंग ज़ोन

चिंकी (सोनू से)- तुम्हें पता है, मेरा भतीजा इतना खराब है कि दिन में कम से कम सात-आठ बार कपड़े बदल ही लेता है।

सोनू परेशान होकर- ऐसा क्यों? क्या उसे कपड़े बदलने की बीमारी हो है?

चिंकी- नहीं नहीं....! अरे पगली! अभी तो वह छः माह का ही है।

□ □ □

शादी की पच्चीसवीं सालगिरह पर पार्टी में आए मेहमानों ने जब नरेश से पूछा कि- बताओ नरेश! आपके हिसाब से सफल वैवाहिक जीवन का राज क्या है?

नरेश बोला- यह वैवाहिक जीवन तभी सफल साबित हो सकता है जब पत्नी बहरी और पति पूरी तरह अंधा बनकर जीवन बिताएँ।

□ □ □

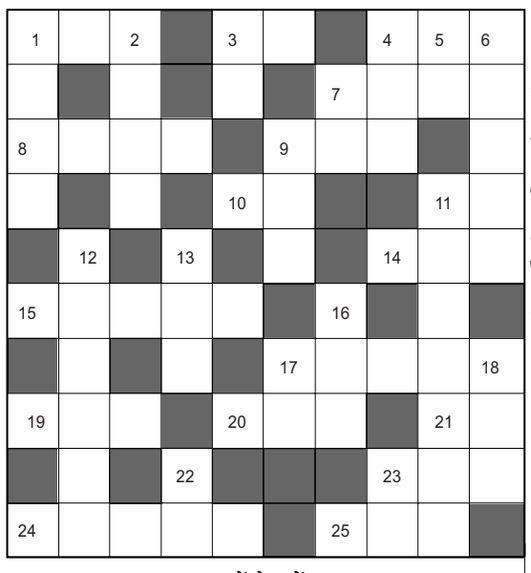
पेशी के दौरान वकील महिला से बोला- जब तुम उस अपराधी से मिलने गई थी और उसने तुमसे जो कहा था, वो अदालत में जज साहब से कह दो।

महिला- नहीं...! मैं वो बात किसी भले आदमी के सामने नहीं कह सकती।

वकील बोला- तो ठीक है! जाकर जज साहब के कान में तो कह ही सकती हो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4059



बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशीं' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4058

वि	वा	ह	■	इ	श्क	वि	श्क	■	टा
द्या	■	मे	■	श्क	■	धा	■	फ	र्ज
बा	द	शा	ह	■	शै	ता	न	■	न
ल	■	■	सी	मा	■	■	का	ल	■
न	ज	रा	ना	■	श	बा	ब	■	सं
■	मी	ना	■	ना	रा	ज	■	दा	ता
आ	न	■	का	■	बी	■	ना	दा	न
शि	■	जो	शी	ले	■	फि	जा	■	■
क	शि	श	■	कि	ला	■	य	हू	दी
■	वा	■	डॉ	न	■	आ	ज	■	पा

सूडोकु -4059

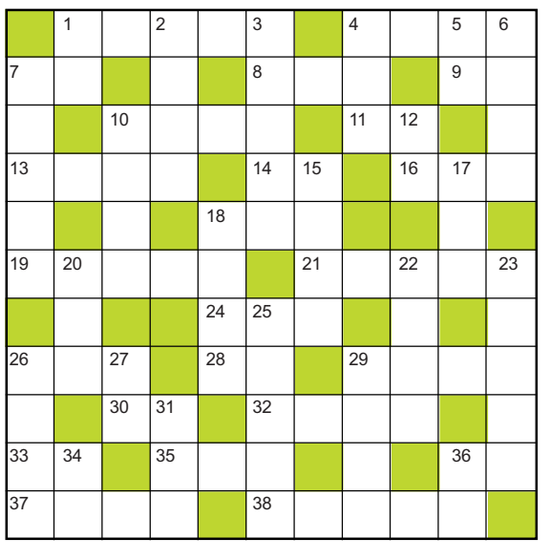
5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4058 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 4059



बाएँ से दाएँ

1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

ऊपर से नीचे

1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

शब्द पहेली -4058 का हल

स	द	च	हि	त्र	■	■	ब	ह	रा	■
मा	मा	■	या	■	अ	द	द	■	ह	क
ज	■	■	स	ज	दा	■	न	■	■	हा
वा	र	दा	त	■	■	श्न	■	प	नी	र
दी	■	मि	■	ह	म	रा	ज	■	र	■
■	रा	नी	■	रा	■	फ	■	बी	ज	■
■	ह	■	श्न	र	ब	त	■	ह	■	म
क	त	रा	■	त	■	■	अ	ड	च	ब
हा	■	■	चिं	■	म	लि	न	■	■	भा
नी	र	■	त	न	य	■	ब	■	श्न	व
■	थ	का	न	■	■	म	न	मो	ह	न

कीर्ति सुरेश ने नहीं की बॉलीवुड में आने की जल्दबाजी



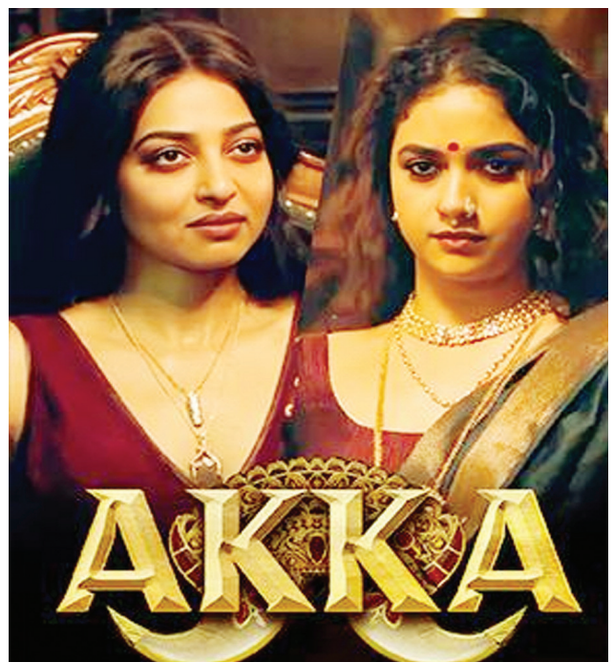
राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कीर्ति सुरेश इन दिनों अपनी आने वाली सीरीज 'अक्का' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस सीरीज में वह अभिनेत्री राधिका आप्टे के साथ दिखाई देंगी। बता दें कि साउथ अभिनेत्री कीर्ति ने 2024 में वरुण धवन स्टारर फिल्म 'बेबी जॉन' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में आने और काम करने को लेकर बात की। कीर्ति ने बताया कि वह हिंदी सिनेमा में काम करना चाहती थीं, लेकिन इसके लिए उन्हें कोई जल्दबाजी नहीं थी। वह चाहती थीं कि सब कुछ सही समय पर अपने आप हो।

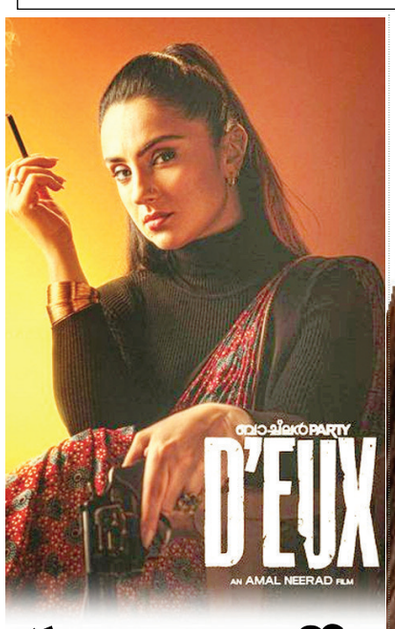
क्या बोलीं कीर्ति सुरेश

कीर्ति ने कहा, 'मैं निश्चित रूप से किसी समय हिंदी सिनेमा में काम करना चाहती थी और आखिरकार ऐसा हुआ। इसकी शुरुआत 'अक्का' से हुई। इस बीच 'बेबी जॉन' आई और उसके बाद मैंने राजकुमार राव के साथ 'रफ्तार' नाम की फिल्म की। यह फिल्म भी जल्द रिलीज होनी चाहिए।'
अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैं किसी रेस में नहीं हूं। ऐसा नहीं है कि मुझे बहुत सारी फिल्में करनी हैं। मैं वही काम कर रही हूं जो मुझे पसंद है। हिंदी सिनेमा में काम करने का मौका भी मुझे इसी तरह मिला। मैं इसके पीछे भाग नहीं रही थी। सब कुछ अपने आप सही समय पर हुआ और अब देखूंगी कि इसे आगे कैसे बढ़ाना है।'

कैसे कीर्ति को मिली 'अक्का'

कीर्ति ने बताया कि धर्मा (निर्देशक) ने मेरी फिल्म 'सानी कायिधम' देखी थी। उसमें मेरा किरदार बेहद मजबूत और बेखौफ था, लेकिन उसके अंदर एक संवेदनशील पहलू भी था। मुझे हमारी पहली मुलाकात याद है। उन्होंने बताया कि उन्होंने यह फिल्म देखी है। तब मैंने उनसे कहा कि अब मैं समझ गई कि आप मुझे यह किरदार क्यों देना चाहते हैं।
कीर्ति और राधिका स्टारर 'अक्का' की कहानी 1980 के दशक में पेरनुरु नाम के एक काल्पनिक राज्य में दिखाई गई है, जहां महिलाओं का दबदबा है। फिल्म की कहानी भवानी (कीर्ति) और रुद्रा (राधिका) नाम की दो ताकतवर महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों की अलग-अलग सोच और उनके बीच की दुश्मनी राज्य में सत्ता के समीकरण तय करती है।
'अक्का' का निर्देशन धर्मराज शेट्टी ने किया है। सीरीज में कीर्ति सुरेश और राधिका आप्टे के अलावा तन्वी आजमी, महेश मांजरेकर, अंशुमान पुष्कर और मोनिका पंवार समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस सीरीज का निर्माण वाईआरएफ एंटरटेनमेंट ने किया है।





बैचलर पार्टी डी'यूक्स में पेरिस लक्ष्मी की एंट्री

निर्देशक अमल नीरद की चर्चित मलयालम फिल्म 'बैचलर पार्टी डीयूक्स' को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह है। अब मेकर्स ने फिल्म में एक्ट्रेस पेरिस लक्ष्मी के किरदार का नाम भी बता दिया है। वह फिल्म में नलिनी के रोल में नजर आएंगी। निर्देशक अमल नीरद ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा, 'पेरिस लक्ष्मी नलिनी हैं।' यह फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई अमल नीरद की हिट फिल्म 'बैचलर पार्टी' का सीक्वल है। यही वजह है कि फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी दिलचस्पी बनी हुई है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, नई फिल्म की कहानी पिछली फिल्म से जुड़ी होगी, लेकिन इसमें कई नए किरदार भी देखने को मिलेंगे। 'बैचलर पार्टी डी'यूक्स' में बड़े सितारों की फौज नजर आएगी। फिल्म में 'प्रेमालु' से पूरे देश में पहचान बनाने वाले अभिनेता नसलेन मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ कुंचाको बोबन, टोविनो थॉमस, सौबिन शाहिर, श्रीनाथ भासी, शराफुद्दीन, शाइन टॉम चाको, चंदू सलीमकुमार, राजिशा विजयन, हंसिका कृष्णा और पेरिस लक्ष्मी भी अहम किरदार निभा रहे हैं। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म में नसलेन के किरदार का नाम खुलासा किया था। वह फिल्म में सोनी की भूमिका निभा रहे हैं। उस समय उनके किरदार के नाम के साथ फिल्म से उनके दो पोस्टर भी जारी किए गए थे।
फिल्म में शाइन टॉम चाको गुरु, चंदू सलीमकुमार मम्मू, श्रीनाथ भासी जावी और शरफुद्दीन पप्पन के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, सौबिन शाहिर फिल्म में डैनी की भूमिका निभा रहे हैं।
दिलचस्प बात यह है कि मेकर्स ने फिल्म में ज्यादातर कलाकारों के लुक के साथ उनके किरदारों के नाम भी सामने ला दिए हैं, लेकिन टोविनो थॉमस के मामले में ऐसा नहीं किया गया है। फिल्म से उनका लुक जारी हो चुका है, लेकिन उनके किरदार का नाम अभी तक नहीं बताया गया है। उनके पोस्टर जारी करते हुए निर्देशक अमल नीरद ने विलियम शेक्सपियर की मशहूर पंक्ति लिखी थी, 'नर्क खाली है और सारे शैतान यहीं हैं।
''बैचलर पार्टी डी'यूक्स' इस साल 19 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

50 साल की महिला बनने के लिए वामिका गब्बी ने पहना प्रोस्थेटिक्स



अभिनेत्री वामिका गब्बी ने फिल्म 'प्रहार- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम' में प्रसिद्ध सरकारी वकील उज्ज्वल निकम की पत्नी ज्योति निकम के किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने बातचीत में किरदार निभाने के लिए प्रोस्थेटिक्स पहनने के अपने अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि मेकअप चेयर पर बैठे-बैठे अपने चेहरे को बदलते हुए देखना किरदार को और भी ज्यादा वास्तविक महसूस करा रहा था। उन्होंने कहा, 'प्रोस्थेटिक्स के बाद जब मैंने खुद को शीशे में देखा, तो कुछ देर तक तो मैं शीशे में खुद को निहारती रह गई। ये एक बहुत ही अजीब एहसास था, क्योंकि मुझे पता था कि वो मैं ही हूँ, लेकिन मैं सामने दिख रहे शख्स को पहचान नहीं पा रही थी। हालांकि, इस पूरे प्रोसेस को मैंने पूरी तरह से इंजॉय किया था।'
अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मेकअप चेयर पर बैठने के बाद चेहरे को धीरे-धीरे बदलते हुए देखने पर कहीं न कहीं किरदार आपके लिए और ज्यादा असली लगने लगता है। कई बार तो मैं भूल ही जाती थी कि मैं कितनी अलग दिख रही हूं, जब तक कोई मुझे सेट से मेरी फोटो नहीं दिखा देता था।'
वामिका गब्बी ने बताया कि ज्योति निकम का किरदार निभाना उनके लिए एक अलग ही एक्सपीरियंस था। उन्होंने कहा, 'ज्योति निकम का किरदार निभाना मेरे लिए एक बहुत ही अलग अनुभव था और मुझे खुशी है कि मुझे एक्टिंग के उस पहलू को एक्सप्लोर करने का मौका मिला, जिसे मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था।' ज्योति निकम का किरदार उज्ज्वल निकम (राजकुमार राव द्वारा निभाया गया किरदार) के पेशेवर और निजी जीवन के बीच के तालमेल को दर्शाता है। जब उज्ज्वल निकम देश के सबसे चर्चित मामलों (जैसे 26/11 मुंबई हमले) की कानूनी लड़ाई लड़ रहे होते हैं, तब ज्योति निकम का किरदार उनके पीछे के पारिवारिक दबावों, संघर्ष और मानवीय पहलू को पर्दे पर उतारता है। बताया जाता है कि वामिका गब्बी ने इस किरदार को निभाने से पहले वास्तविक जीवन की ज्योति निकम से मुलाकात की थी, ताकि वह उनके सफर और उनके योगदान को गहराई से समझ सकें।

मैडॉक फिल्म्स के साथ 9वीं बार काम करेंगी कृति



कृति सेनन एक बार फिर अपने नए अंदाज में नजर आने की तैयारी कर रही हैं। अपनी फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली कृति अब डरावनी कहानी पर बेस्ड फिल्म में लीड रोल प्ले करने वाली हैं। इस फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स करेगा। खास बात यह है कि इस फिल्म के साथ कृति और मैडॉक फिल्म्स की साझेदारी 9वीं बार होने जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'कृति ने इस फिल्म के लिए हामी भर दी है। फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। इसकी कहानी और रिलीज डेट से जुड़ी जानकारी भी फिलहाल सामने नहीं आई है। इसमें दर्शकों को हंसाने के बजाय डर का माहौल बनाने पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा।'

मेनस्ट्रीम सिनेमा में हमेशा पुरुषों का दबदबा रहा, लेकिन अब बदल रहा है दौर



अभिनेता मनोज बाजपेयी इन दिनों क्राइम थ्रिलर फिल्म 'गजब रात' में नजर आ रहे हैं। अभिनेता का मानना है कि जहां मेनस्ट्रीम बॉलीवुड में हमेशा से ही पुरुष किरदारों का दबदबा रहा है, वहां महिलाएं भी धीरे-धीरे और मजबूती से फिल्मों में लीड करती आ रही हैं। अभिनेता मनोज बाजपेयी ने कहा, 'हीरोइनें लंबे समय से हीरो के तौर पर आ रही हैं। विद्या बालन और काजोल की ऐसी कई फिल्में मुझे याद हैं, जो महिला प्रधान रही हैं। धीरे-धीरे ही सही, लेकिन बदलाव लंबे समय से हो रहा है। अभिनेता ने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म के आने से महिलाओं पर केंद्रित कहानियां ज्यादा बनने लगी हैं, क्योंकि ऐसे प्रोजेक्ट्स में उतना पैसा नहीं लगता जितना सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्मों में लगता है। मनोज बाजपेयी ने कहा, 'ओटीटी के आने के बाद महिला प्रधान फिल्में या सीरीज देखने को मिल रही हैं, क्योंकि इन्हें रिलीज करने की कीमत उतनी बड़ी नहीं होती है।'
मनोज बाजपेयी ने चर्चा को सिर्फ महिलाओं वाली फिल्मों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्होंने बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म ने उन पुरुष कलाकारों के लिए भी मौके पैदा किए हैं, जिन्हें मेनस्ट्रीम सिनेमा में सही पहचान नहीं मिल पा रही थी। उन्होंने कहा, 'उन कलाकारों को देखिए जो पहले ठीक से पहचाने भी नहीं जाते थे। पुरुष कलाकार मेनस्ट्रीम सिनेमा में अपनी जगह भी नहीं बना पाते थे। उन्हें ओटीटी पर इतना सम्मान मिल रहा है।'
उन्होंने आगे कहा, 'और उनकी लाइफस्टाइल भी बनी हुई है। उन सभी किरदारों की वजह से, जो उन्हें मिल रहे हैं, उन्हें अपनी जिंदगी में एक तरह का सुकून मिल रहा है।' फिल्म 'गजब रात' में अभिनेता मनोज बाजपेयी दिल्ली पुलिस के सब-इंस्पेक्टर 'अजय निर्वित' (अजय दीक्षित) की भूमिका में हैं, जो एक भ्रष्ट और शातिर पुलिस अधिकारी होता है। इस फिल्म में उनके अलावा नुसरत भरुचा, दिव्या दत्ता, अक्षय ओबेरॉय, साकिब सलीम, श्रद्धा दास और किकू शारदा अहम भूमिकाओं में हैं। इसका निर्देशन रितेश शाह ने किया है और इसे नीरज पांडे ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म का पुराना नाम 'घूसखोर पंडित' था, जिसे विवाद और सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंचने के बाद बदलकर 'गजब रात' किया गया था।



भेड़िया 2 कंफर्म

कृति की वरुण और अमर कौशिक की मुलाकात से बढ़ा उत्साह

कृति सेनन ने अपनी फिल्म 'भेड़िया' के सह-कलाकार वरुण धवन और फिल्म के निर्देशक अमर कौशिक के साथ फिर से मुलाकात करके फिल्म फैंस के बीच उत्साह बढ़ा दिया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के 'स्टोरीज' सेक्शन में एक छोटी क्लिप अपलोड की। इसमें कृति, वरुण और अमर कैमरे की तरफ देखकर मुस्कुराते हुए और भेड़िये की तरह आवाज निकालते हुए नजर आए, जो उनकी फिल्म 'भेड़िया' की ओर इशारा था। वीडियो पर लिखे टेक्स्ट से संकेत मिला कि वे शायद किसी नए प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। इसमें लिखा था, 'एक ऐसा सरप्राइज रीयूनियन, जो आपको 'दीवाना' बना देगा।
वरुण ने भी कृति की इस पोस्ट को अपने ऑफिशियल हैंडल पर रीशेयर किया। हालांकि, अभी पक्का नहीं है, लेकिन हो सकता है कि ये तीनों 'भेड़िया 2' की घोषणा करने की योजना बना रहे हों।
वैसे, 'भेड़िया' के अलावा कृति और वरुण ने साथ में 'दिलवाले' भी की थी। अगर 'भेड़िया 2' आती है तो यह पर्दे पर उनकी तीसरी जोड़ी होगी।
मई में ये दोनों दोस्तों और संगीत के साथ एक शाम बिताने के लिए एक साथ आए थे। इस दौरान वे काफी मस्ती करते दिखे। उनके साथ कृति की बहन नूपुर सैनन, उनके पति और सिंगर स्टेबिन बेन और 'फुकरे' फेम एक्टर वरुण शर्मा भी मौजूद थे। वे सभी वरुण की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के गाने 'तेरा हो जाऊं' पर झूमते नजर आए। बता दें कि इस रोमांटिक गाने को स्टेबिन और जोनिता गांधी ने गाया है और इसके बोल वायु ने लिखे हैं। पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, 'तेरा हो जाऊं... इस मस्ती के साथ... आखिर तक जरूर देखें।'
'भेड़िया' की बात करें तो, यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इसकी कहानी भास्कर (वरुण) नाम के एक रोड-कंस्ट्रक्शन कॉन्ट्रैक्टर के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे अरुणाचल प्रदेश के जंगलों में काम करते समय एक भेड़िया काट लेता है। इस घटना के बाद वह धीरे-धीरे एक 'वेयरवोल्फ' (आधा इंसान, आधा भेड़िया) में बदलने लगता है। कृति ने इसमें अनिका नाम की एक पशु चिकित्सक का किरदार निभाया है, जिसे इन रहस्यमयी घटनाओं के बारे में उससे कहीं ज्यादा पता है, जितना वह शुरू में बताती है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।